मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 26
शनिवार, 01 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भिवंडी में चार मंजिला इमारत गिरने से 10 लोगों की मौत, 3 घायल

- मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये की सरकारी सहायता
- दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई : मंत्री गिरीश महाजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी। भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र के नारपोली स्थित गंगाराम वाड़ी में गुरुवार रात करीब साढ़े 11 बजे एक बड़ा हादसा हो गया। कोहिनूर अपार्टमेंट नामक तल प्लस चार मंजिला अतिधोकादायक इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह भरभराकर ढह गई। इमारत के मलबे में दबने से 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों का उपचार स्व. इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में चल रहा है।

हादसे की सूचना मिलते ही मनपा का आपातकालीन विभाग, दमकल दल और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंच गए। हालांकि घटनास्थल तक पहुंचने वाला रास्ता बेहद संकरा होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में शुरूआती दौर में काफी परेशानी आई। रात करीब एक बजे ठ3अक्रकी टीम भी मौके पर पहुंची। दुर्घटनाग्रस्त इमारत तक बचाव दल को पहुंचाने के लिए उसके सामने स्थित एक पुरानी चॉल को जेसीबी की मदद से हटाया गया। इसके बाद ठ3अक्र ळ3अक्र और दमकल विभाग ने संयुक्त रूप से मलबा हटाने और फंसे लोगों की तलाश शुरू की। बतादें कि

कोहिनूर अपार्टमेंट, नारपोली-2, घर क्रमांक 1557 की यह इमारत वर्ष 2013 में बनाई गई थी। इसमें दो अपार्टमेंट और कुल 48 कमरे थे। निर्माण कार्य की गुणवत्ता कमजोर होने के कारण यह इमारत शुरूआती दौर से ही जर्जर होती गई थी। महानगरपालिका ने इसे अतिधोकादायक घोषित कर तीन बार इमारत खाली करने की नोटिस जारी की थी। बताया गया कि इमारत के पिलर खराब हो गए थे। गुरुवार शाम को बिना किसी स्थापत्य अभियंता की सलाह लिए निर्माण मिस्त्री के माध्यम से इमारत के निचले हिस्से के तीन पिलर की मरम्मत का काम शुरू किया गया था। इसी दौरान हादसा होने की बात सामने आई है।स्थानीय लोगों के अनुसार गुरुवार शाम करीब छह बजे से ही इमारत में दरारें पड़ने लगी थीं। रात करीब आठ बजे इमारत के झुकने की जानकारी स्थानीय नगरसेवक यशवंत टावरे ने महानगरपालिका प्रशासन को दी। इसके बाद प्रभाग समिति क्रमांक चार के सहायक आयुक्त अरविंद घोगरे, कर्मचारी सुमित जाधव सहित पालिका की टीम मौके पर पहुंची और इमारत को खाली कराया। हालांकि इसके बाद भी निचले हिस्से में मरम्मत का काम जारी रहा। वहीं कुछ परिवार अपने घरों से सामान निकालने के लिए दोबारा इमारत में पहुंचे थे। इसी दौरान इमारत ढह गई और कई लोगों के मलबे में दबने की

आशंका जताई गई। हादसे के बाद स्थानीय विधायक महेश चौघुले और महापौर नारायण चौधरी ने भी घटनास्थल का दौरा कर राहत कार्य का जायजा लिया। करीब सात घंटे की तलाश के बाद शुक्रवार सुबह आठ बजे मलबे से पहला शव बरामद हुआ। इसके बाद लगातार मलबा हटाकर अन्य शवों को बाहर निकाला गया। महापौर नारायण चौधरी ने कहा कि मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालना प्रशासन की पहली प्राथमिकता थी। महानगरपालिका की पूरी मशीनरी राहत-बचाव कार्य में जुटी रही। उन्होंने कहा कि इमारत को पहले ही अतिधोकादायक घोषित कर खाली कराया गया था, जिससे बड़ी जनहानि टल सकती थी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे खतरनाक घोषित इमारतों को खाली कर अपनी जान जोखिम में न डालें। महापौर ने बताया कि महानगरपालिका द्वारा खतरनाक इमारतों के पानी और बिजली के कनेक्शन काटे जाने के बावजूद कुछ लोग उनमें रहने लगते हैं। ऐसे लोगों को पुलिस बंदोबस्त में बाहर निकालने की कार्रवाई करनी पड़ सकती है। दुर्घटनाग्रस्त इमारत में रहने वाले परिवारों के लिए नजदीकी समाजगृह और स्कूलों में अस्थायी रहने की व्यवस्था की गई है। राज्य के आपातकालीन विभाग के मंत्री गिरीश महाजन ने शुक्रवार सुबह घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इस हादसे के लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की गई। इस अवसर पर सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटील, विधायक महेश चौघुले, महापौर नारायण चौधरी और जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाळ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इमारत के भूतल पर रहने वाले अरविंद गुप्ता और उनकी पत्नी इमारत गिरने के दौरान किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि उनकी बेटी कोमल मलबे में फंस गई थी। कोमल ने भी किसी तरह अपनी जान बचाई। उसके अनुसार इमारत में गलत तरीके से मरम्मत का काम शुरू किया गया था, जिसके कारण हादसा होने की आशंका है। इमारत के चौथे तल पर रहने वाली सबिना बानो शाह ने बताया कि शाम छह बजे से ही इमारत में दरारें दिखाई देने लगी थीं। सामने वाली विंग के लोगों ने उनके परिवार को वहां न सोने की सलाह दी थी। इस वजह से उनका परिवार सुरक्षित बच गया, लेकिन घर का सामान, पैसे और अन्य जरूरी चीजें मलबे में दब गईं। पहली मंजिल पर रहने वाले अभय यादव ने इमारत गिरते समय बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन सीढ़ियों में मलबा गिर जाने के कारण उन्हें अपनी जान बचाने के लिए पहली मंजिल से नीचे कूदना पड़ा। इस हादसे में उनके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हुआ है।शुक्रवार शाम करीब चार बजे मलबे से श्यामजी पाल (48) का अंतिम शव बरामद किया गया। इसके बाद शाम पांच बजे ठ3अक्र जवानों ने अंतिम उद्घोषणा कर यह सुनिश्चित किया कि कोई व्यक्ति लापता तो नहीं है। इसके बाद बचाव एवं तलाशी अभियान बंद कर दिया गया। यह जानकारी मंडल अधिकारी शैलेश भोजने ने दी। अस्पताल में भर्ती घायल अभय यादव, उम्र 26 वर्ष, दीपक यादव, उम्र 25 वर्ष, संगीता प्रजापति, उम्र 36 वर्ष जिनका इलाज चल रहा है। वहीं मरने वालों में क्रिश कुमार, 25 वर्ष, रणजीत सिंह, 45 वर्ष, राधेश्याम कुशवाहा, 45 वर्ष, मिराज रसूल शेख, 34 वर्ष, संतोष पांडे, 42 वर्ष, शमीम अंसारी, 30 वर्ष, राकेश पासवान, 45 वर्ष, मुकेश पासवान, 35 वर्ष, अशोक पासवान, 50 वर्ष, श्यामजी पाल, 48 वर्ष हैं।

गंगा में स्नान कर रहे 4 कांवड़ियों की डूबने से मौत, SDRF ने बरामद किए शव

हरिद्वार, 31 जुलाई। उत्तराखंड में हरिद्वार के ज्वालापुर क्षेत्र में शुक्रवार को जटवाड़ा पुल के पास चंडीगढ़ निवासी 16 से 18 साल की उम्र के चार नाबालिग कांवड़ियों की गंगनहर में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, चारों मृतकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, सभी मृतक कांवड़ यात्रा पर हरिद्वार आए एक दल में शामिल थे और गंगा जल लेने के बाद वापस लौट रहे थे। लौटते समय रास्ते में जटवाड़ा पुल के पास गंगनहर के घाट पर ये लोग स्नान करने के लिए रुके और इसी दौरान एक कांवड़िया डूबने लगा। उसे बचाने के लिए उसके तीन साथी भी पानी में उतर गए, लेकिन उन्हें भी गहराई का अंदाजा नहीं लगा और वे चारों गंगनहर में लापता हो गए। बताया जा रहा है कि गंगनहर में सिल्ट की सफाई के कारण जलस्तर कम होने से कांवड़िए बीच धारा तक चले गए थे और इसी दौरान फंसने से यह हादसा हुआ। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही जल पुलिस और स्थानीय पुलिस सहित अन्य राहत-बचाव एजेंसियां मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। हरिद्वार के पुलिस अधीक्षक (नगर) अभय प्रताप सिंह ने बताया कि काफी देर तक चले अभियान के बाद चारों कांवड़ियों के शव गंगनहर से बरामद कर लिए गए। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

मृतकों की पहचान चंडीगढ़ के सेक्टर 16 के निवासी शिवांशु (16), नीतेश (17) और भरत (17) तथा सेक्टर 26/30 के निवासी रोहित प्रजापति (18) के रूप में हुई है। एक अन्य घटना हरिद्वार के कांगड़ा घाट पर हुई जहां गंगा के तेज बहाव में बह गए दो कांवड़ियों को राज्य आपदा प्रतिवादन बल की टीम ने बचा लिया। इनमें से एक की पहचान 18 वर्षीय सुधीश ठाकुर तथा दूसरे की पहचान बागपत निवासी 28 वर्षीय राहुल के रूप में हुई। करीब एक पखवाड़े तक चलने वाली कांवड़ यात्रा की शुरूआत बृहस्पतिवार को हुई है। प्रदेश में इन दिनों हो लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा नदी अपने पूरे उफान पर है। इस संबंध में सिंह ने कहा कि कांवड़ मेले के दौरान पुलिस-प्रशासन लगातार श्रद्धालुओं से अपील कर रहा है कि वे केवल निर्धारित और सुरक्षित घाटों पर ही स्नान करें तथा गंगा या गंगनहर की मुख्य धारा और गहरे पानी में जाने से बचें ताकि ऐसी दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

घरेलू तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए होगा समुद्र मंथन, कैबिनेट से नई योजना को मंजूरी

नई दिल्ली, 31 जुलाई। पश्चिम एशिया में जारी संकट की वजह से भारत के सामने ऊर्जा सुरक्षा का जो खतरा बढ़ रहा है, उसे देखते हुए केंद्र सरकार ने घरेलू स्तर पर हाइड्रोकार्बन खोज की कोशिशों को तेज करने का फैसला लिया है।

पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में समुद्रमंथन नाम की राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना को मंजूरी दे दी गई। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की इस केंद्रीय क्षेत्र की योजना की कुल लागत 84,084 करोड़ रुपये है।

इसे वित्त वर्ष 2030-31 तक लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारत की समुद्री सीमा के भीतर डीपवाटर

और अल्ट्रा-डीपवाटर क्षेत्रों तथा फ्रंटियर बेसिनों में तेल व गैस की खोज को तेजी से आगे बढ़ाना है।

केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसके बारे में जानकारी देते हुए बताया कि, योजना के तहत गहरे समुद्र और बहुत गहरे समुद्र में खोदे जाने वाले प्रत्येक अन्वेषण कुएं के लिए सरकार 650 करोड़ रुपये तक की सहायता देगी।

योजना की कुल लागत में से 43,200 करोड़ रुपये अगले पांच वर्षों में गहरे समुद्री तटों में तेल व गैस खोज के लिए ड्रिलिंग के लिए आवंटित किए गए हैं। भारत अभी तक अपने समुद्री तटों से तेल व गैस निकालने के काम पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं दे पाया है।

वजह इनकी बेहिसाब लागत है। गुजरात के समुद्री तट के पास अल्ट्रा-डीपवाटर क्षेत्रों (जहां पानी की गहराई 1,500 मीटर से अधिक हो) में एक तेल कुआं ड्रिलिंग करने लागत करीब 950 करोड़ से 2,400 करोड़ रुपये तक होती है। कई बार असलता मिलने से पूरी परियोजना चौपट हो जाती है।

कई ड्रिलिंग के बाद सफलता मिलती है और यह भी पता नहीं होता कि वहां से तेल व गैस कितनी निकलेगी। केजी बेसिन एक बड़ा उदाहरण है। कभी इस क्षेत्र के बारे में बताया गया था कि इससे निकलने वाली गैस व तेल से भारत आत्मनिर्भर हो जाएगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ। कैबिनेट से मंजूरी नई योजना के तहत 10,000 करोड़ रुपये साझा बुनियादी ढांचे के विकास के लिए रखे गए हैं, ताकि नई खोजों को उत्पादन से जोड़ा जा सके। यह मदद उन कंपनियों को दी जाएगी जो अपतटीय क्षेत्रों के ल लि जोखिम लेंगे।

इसके अलावा अपतटीय डेटा अधिग्रहण के लिए 28,534 करोड़ रुपये और तेल-गैस विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों के विकास के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस तरह से देखा जाए तो अगर कोई वैश्विक तेल कंपनी भारत के गहरे समुद्री क्षेत्र में तेल व गैस खोजने के लिए आती है तो उसे काफी आर्थिक मदद केंद्र की तरफ से दी जाएगी।

अल्जीरिया : गहरी खाई में बस गिरने से 25 लोगों की मौत, 44 अन्य घायल

अल्जीरिया। अल्जीरिया में शुक्रवार को एक बस दुर्घटना में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 44 घायल हो गए। अल्जीरिया के नागरिक सुरक्षा विभाग की प्रारंभिक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। बस यात्रियों को सेतीफ से अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स ले जा रही थी।

बस अल्जीयर्स से लगभग 50 किलोमीटर दूर एल कर्मा क्षेत्र में सड़क से फिसलकर एक गहरी खाई में जा गिरी। इस घटना में 25 लोगों की मौत हो गई और 44 घायल हो गए। घटनास्थल पर बचाव दल मौजूद थे और एंबुलेंस के माध्यम से लगातार घायलों को नजदीकी अस्पतालों तक पहुंचाया जा रहा था। सरकारी टेलीविजन के अनुसार, अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। पंद्रह अगस्त 2025 को अल्जीयर्स में एक सार्वजनिक परिवहन बस पुल के सुरक्षा अवरोधक को तोड़ते हुए नीचे नदी में जा गिरी थी। इस नदी में शहर का सीवेज (मलजल) प्रवाहित होता है। उस दुर्घटना में 18 लोगों की मौत हुई थी और 21 लोग घायल हुए थे।

केरल सरकार का बड़ा फैसला : NEET Protest के खिलाफ दर्ज सभी केस होंगे वापस, रमेश चेन्निथला ने दी जानकारी

केरल, 31 जुलाई। केरल सरकार ने दिल्ली में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) आंदोलन के समर्थन में राज्य भर में हुए विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में दर्ज सभी मामले वापस लेने का फैसला किया है। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चेन्निथला ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि यह फैसला लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन के अनुरोध पर लिया गया। उन्होंने कहा कि नीट में कथित अनियमितताओं को लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शनों के समर्थन में केरल भर में कई युवा संगठनों और राजनीतिक दलों ने प्रदर्शन आयोजित किए।

चेन्निथला ने कहा, उन विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में कई मामले दर्ज किए गए थे। हमें इन मामलों को वापस लेने के लिए कई अनुरोध मिले। मुख्यमंत्री ने वे सभी अनुरोध मुझे भेजे, और मैंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को निर्देश दिया है कि वे इनमें से किसी भी मामले में आगे कोई कार्रवाई न करें। कई मामलों में हालांकि प्राथमिकी दर्ज की गई थीं, लेकिन ये विरोध प्रदर्शन राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे पर किए गए थे और इनमें कोई हिंसा नहीं हुई थी।

उन्होंने कहा, यह जन-मुद्दा उठाने वाला एक बड़ा सकारात्मक आंदोलन था।

यहां तक कि उच्चतम न्यायालय ने भी इस मामले पर सकारात्मक रुख अपनाया। यहां कोई हिंसक घटना नहीं हुई। इसलिए, मैंने डीजीपी को निर्देश दिया है कि वे दर्ज किए गए किसी भी मामले में आगे की कार्रवाई न करें। जब चेन्निथला से उन मामलों की संख्या के बारे में पूछा गया जिन्हें वापस लिया जाएगा, तो उन्होंने कहा कि निर्देश जारी किए गए हैं कि मामलों की संख्या चाहे जो भी हो, उनमें से किसी भी मामले में आगे कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

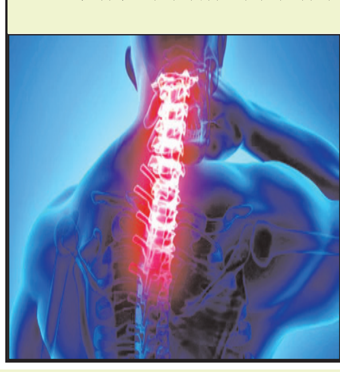

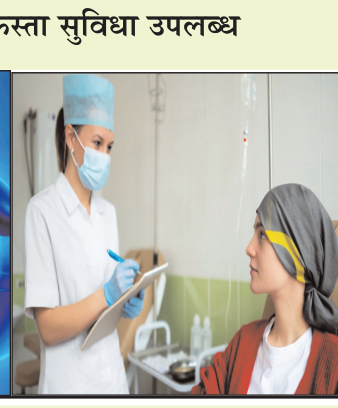

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055

Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai

Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

आंदोलन की संस्कृतिः अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी आवश्यक

-ललित गर्ग

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि संवाद, असहमति और संवैधानिक मयार्दाओं का जीवंत तंत्र है। इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार प्राप्त है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार कभी भी हिंसा, अराजकता, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या सुरक्षा बलों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है। न्यायालय ने किसी भी प्रकार के असीमित बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया, बल्कि यह स्पष्ट संकेत दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए। यदि सुरक्षा बलों से हर प्रभावी उपाय छीन लिया जाएगा, तो हिंसक भीड़ पर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा? यह प्रश्न केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को असीमित अधिकार मिल जाने चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक कार्रवाई न्यायिक समीक्षा और

जवाबदेही के दायरे में रहती है। यदि कहीं बल प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच का आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। जिस प्रकार प्रदर्शनकारियों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए, उसी प्रकार घायल हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का पक्ष भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं। दुर्भाग्य से आज कुछ आंदोलनों में संवाद की जगह टकराव, संयम की जगह उग्रता और तर्क की जगह भीड़ की शक्ति को महत्व दिया जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में परिवर्तन सड़क पर पत्थर फेंकने से नहीं, बल्कि विचार, संगठन, जनजागरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है। यदि हर असहमति हिंसक रूप ले लेगी, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं युवाओं का होगा, जिनके भविष्य के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं। लोकतंत्र की रक्षा भावनाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन और उत्तरदायित्व से होती है।

यदि यह मान लिया जाए कि किसी राजनीतिक दल या उसके समर्थकों द्वारा आयोजित आंदोलन में कुछ असामाजिक और हिंसक तत्वों ने प्रवेश कर उसे अराजक दिशा देने का प्रयास किया, तो ऐसी स्थिति में सरकार का प्राथमिक दायित्व कानून-व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। समय रहते प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, भले ही उससे कुछ अप्रिय घटनाएं हुई हों, व्यापक अराजकता और राष्ट्रीय संस्थानों को संभावित क्षति से बचाने के उद्देश्य से देखी जा सकती है। साथ ही, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी अपेक्षित है कि विपक्ष जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंसा और तोड़फोड़ से स्पष्ट दूरी बनाए तथा वैध मांगों के समर्थन और अवैध कृत्यों के विरोध के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होता है जब सरकार कानून के शासन का पालन करे, विपक्ष जिम्मेदार आचरण करे और आंदोलन संविधान की मयार्दाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के भीतर संचालित हों।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी दल का यह दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सकारात्मक दिशा दे। यदि कोई राजनीतिक संगठन या उसके समर्थक आंदोलन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है, लेकिन उसका धर्म केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। यदि किसी भी पक्ष द्वारा जनआंदोलनों का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, तो अंततः लोकतंत्र ही कमजोर होता है। सरकारों को भी यह आत्ममंथन करना चाहिए कि जनआक्रोश की स्थितियां क्यों बनती हैं। संवाद के द्वार हमेशा खुले रहने चाहिए। पारदर्शी निर्णय, समय पर संवाद और शिकायतों के समाधान की प्रभावी व्यवस्था अनेक आंदोलनों को उग्र होने से पहले ही शांत कर सकती है। लोकतंत्र में शासन का अर्थ केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि विश्वास अर्जित करना भी है।

भविष्य के लिए कुछ स्पष्ट सिद्धांत निर्धारित किए जाने चाहिए। प्रत्येक बड़े आंदोलन के लिए पूर्व अनुमति, निर्धारित मार्ग, आयोजकों की स्पष्ट जवाबदेही, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, हिंसा की स्थिति में त्वरित पहचान और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित हो। साथ ही पुलिस को भी भीड़ नियंत्रण के आधुनिक, वैज्ञानिक और न्यूनतम आवश्यक बल के सिद्धांतों पर निरंतर प्रशिक्षित किया जाए। इससे नागरिक अधिकारों और कानून-व्यवस्था के बीच बेहतर संतुलन स्थापित होगा। लोकतंत्र का सौंदर्य इस बात में नहीं कि कितनी जोर से नारे लगाए गए, बल्कि इस बात में है कि कितनी गंभीरता से संवाद हुआ। संसद जनता की आकांक्षाओं का मंदिर है। यदि कोई समूह अपनी बात संसद तक पहुंचाना चाहता है, तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन संसद पर दबाव बनाने या उसे घेरने की संस्कृति लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करती है। लोकतंत्र में जनमत सर्वोपरि है, भीड़तंत्र नहीं। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ विश्वगुरु बनने की दिशा में भी अग्रसर है। ऐसे समय में हमें विरोध की भी ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जो विश्व के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करे। हमारे आंदोलन व्यवस्था को तोड़ने के नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने के माध्यम बनें। हमारे प्रदर्शन राष्ट्र को विभाजित करने के नहीं, लोकतांत्रिक चेतना को समृद्ध करने के साधन बनें। अंततः यह स्मरण रखना होगा कि अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब कर्तव्यों का भी समान रूप से पालन किया जाए। यदि आंदोलन संविधान की मयार्दाओं में रहकर होंगे, तो सरकार भी अधिक उत्तरदायी बनेगी और लोकतंत्र भी अधिक सशक्त होगा। भारत को ऐसे आंदोलनों की आवश्यकता है जो व्यवस्था को चुनौती देने के बजाय उसे सुधारने की प्रेरणा दें। जो युवाओं को उग्रता नहीं, उत्तरदायित्व सिखाएं और जो राष्ट्रहित को दलगत हितों से ऊपर रखकर लोकतंत्र को और अधिक परिपक्व, अनुशासित तथा जनोन्मुख बनाने का मार्ग प्रशस्त करें।

सामाजिक सद्भाव की परीक्षा और नेपाल सरकार की विफलता

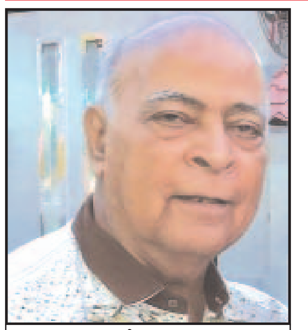

अशोक भाटिया

नेपाल, जिसे दुनिया बुद्ध की शांति-भूमि और बहुसांस्कृतिक सह-अस्तित्व के एक अनुपम उदाहरण के रूप में जानती है, आज एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक संकट के मुहाने पर खड़ा है। भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे सुनसरी जिले के कप्तानगंज से शुरू हुई चिंगारी ने देखते ही देखते मधेश और कोशी प्रांत के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। सावन के पवित्र महीने में पारंपरिक बोलबम/कांवड़ यात्रा के दौरान लाउडस्पीकर बजाने और धार्मिक झंडों के प्रदर्शन को लेकर उपजा एक मामूली सा विवाद आज एक भयावह सांप्रदायिक हिंसा का रूप अख्तियार कर चुका है। इस हिंसा में अब तक तीन बेगुनाह नागरिकों–ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव–की जान जा चुकी है, जबकि दर्जनों सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक गंभीर रूप से घायल हैं। कई जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू, इंटरनेट सेवाओं पर आंशिक पाबंदी और सड़कों पर गश्त करती सेना इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि नेपाल का सामाजिक ताना-बाना इस समय अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है।

यह विवाद 26 जुलाई 2026 की रात सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका के कप्तानगंज इलाके में तब शुरू हुआ, जब दो अलग-अलग समुदाय अपने धार्मिक आयोजन कर रहे थे। एक पक्ष की धार्मिक यात्रा के दौरान लाउडस्पीकर की आवाज और प्रतीकों के प्रदर्शन को लेकर दोनों गुटों में तीखी बहस हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। स्थानीय प्रशासन और खुफिया तंत्र की घोर लापरवाही के कारण इस शुरूआती विवाद को समय रहते शांत नहीं किया जा सका। स्थिति तब और अनियंत्रित हो गई जब उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग और गोलीबारी का सहारा लेना पड़ा, जिसमें एक स्थानीय युवक की मौत हो गई। इस मौत की खबर आग की तरह फैली और इसने सुलगते असंतोष को पूरे क्षेत्र में भड़का दिया। इसके बाद हिंसा का यह दौर सुनसरी से निकलकर सिराहा, धनुषा, पर्सा और जनकपुरधाम जैसे प्रमुख व्यावसायिक और सांस्कृतिक केंद्रों तक पहुंच गया। कई स्थानों पर आगजनी, तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आईं, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया है। दरअसल यह हिंसा केवल दो समुदायों की आपसी कट्टरता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह नेपाल के प्रशासनिक और सुरक्षा तंत्र की एक बहुत बड़ी विफलता है। सुरक्षा मामलों के जानकारों और पूर्व अधिकारियों का भी मानना है कि सुनसरी की घटना से काफी पहले ही तराई के इलाकों में सांप्रदायिक तनाव के स्पष्ट संकेत मिल रहे थे। लेकिन स्थानीय प्रशासन, नेपाल पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने इन चेतावनियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। जब कोई संवेदनशील धार्मिक त्योहार या यात्रा आयोजित होती है, तो प्रशासन का यह प्राथमिक कर्तव्य होता है कि वह पहले से ही दोनों पक्षों के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठकें करे, रूट तय करे और लाउडस्पीकर जैसे संवेदनशील मुद्दों पर कड़े नियम लागू करे। कप्तानगंज में ऐसा कोई पूर्व-नियोजित प्रयास दिखाई नहीं दिया। इसके अलावा, जब हिंसा भड़की, तो केंद्र सरकार की ओर से त्वरित राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप बेहद देरी से हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' सहित कई सांसदों ने संसद में सरकार को आड़े हाथों लेते हुए सवाल उठाया है कि जब मधेश जल रहा था, तब देश के शीर्ष नेतृत्व ने सर्वदलीय बैठक और शांति बहाली के प्रयासों में इतनी देरी क्यों की।

तराई-मधेश क्षेत्र में भड़की इस हिंसा का प्रभाव केवल नेपाल की आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने भारत-नेपाल की खुली सीमा की संवेदनशीलता और दोनों देशों के बीच चलने वाले द्विपक्षीय व्यापारिक गलियारे के सामने भी गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। सुनसरी, पर्सा और सिराहा जैसे अशांत जिले भारत के बिहार राज्य के सीमावर्ती इलाकों से सीधे जुड़े हुए हैं। इस भू-राजनीतिक जुड़ाव के कारण नेपाल में उपजा कोई भी सांप्रदायिक या सामाजिक तनाव बहुत तेजी से सीमा पार भारतीय क्षेत्रों को भी प्रभावित कर सकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में अचानक बढ़े इस तनाव को देखते हुए भारत के सशस्त्र सीमा बल और नेपाल सशस्त्र पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रहना पड़ रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच नागरिकों की सामान्य आवाजाही और आपसी सामाजिक रिश्ते प्रभावित हो रहे हैं।

इससे भी बड़ा संकट आर्थिक मोर्चे पर दिखाई दे रहा है। रक्सौल-वीरगंज, जोगबनी-विराटनगर और जयनगर-जनकपुर जैसे प्रमुख व्यापारिक मार्ग नेपाल की जीवनरेखा माने जाते हैं। नेपाल अपनी दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं, ईंधन, दवाओं और औद्योगिक कच्चे माल के लिए 70 प्रतिशत से अधिक भारत से होने वाले आयात पर निर्भर है। मधेश में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू, सड़कों पर तोड़फोड़ और असुरक्षा के माहौल के कारण मालवाहक ट्रकों के पहिए थम गए हैं। सीमा पार माल की आवाजाही रुकने से नेपाल के बाजारों में आवश्यक वस्तुओं की किल्लत होने लगी है, जिससे महंगाई बेलगाम होने का खतरा पैदा हो गया है। लंबे समय तक चलने वाली ऐसी अशांति दोनों देशों के बीच प्रस्तावित और निमार्णाधीन रणनीतिक आर्थिक गलियारों, रेलवे कनेक्टिविटी परियोजनाओं और व्यापारिक बुनियादी ढांचों के विकास की गति को धीमा कर देती है। कोई भी बड़ा औद्योगिक घराना या विदेशी निवेशक ऐसे अशांत क्षेत्रों में पूंजी लगाने से कतराता है। यदि नेपाल सरकार ने इस हिंसा पर तुरंत काबू पाकर सीमावर्ती व्यापारिक मार्गों को पूरी तरह सुरक्षित और सुचारू नहीं किया, तो पहले से ही नाजुक दौर से गुजर रही नेपाल की अर्थव्यवस्था को ऐसा गहरा आर्थिक झटका लग सकता है, जिससे उबरने में देश को लंबा समय लगेगा।

साल 2008 में राजशाही की समाप्ति के बाद नेपाल को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया था। सदियों से नेपाल में हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध और किरात समुदाय के लोग आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक तालमेल के साथ रहते आए हैं। विशेषकर भारत से सटे तराई-मधेश क्षेत्र की एक अनूठी पहचान रही है, जहां सीमा के दोनों ओर के सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध समाज को एक सूत्र में बांधकर रखते हैं। परंतु, पिछले कुछ समय से इस शांत सामाजिक धरातल के नीचे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की एक खतरनाक राजनीति पनपती हुई दिख रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नफरत फैलाने वाले भाषणों, अफवाहों और भड़काऊ वीडियोज ने इस आग में घी डालने का काम किया है। उपद्रवी तत्वों द्वारा इस संवेदनशील स्थिति का फायदा उठाकर व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना और समाज में डर का माहौल पैदा करना यह दशार्ता है कि इस हिंसा के पीछे कुछ निहित स्वार्थी तत्व सक्रिय हैं, जो नेपाल की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को कमजोर करना चाहते हैं।

चार दिनों के भारी तनाव और चौतरफा दबाव के बाद प्रधानमंत्री बालिंद्र (बालेन) शाह ने अंततः राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों से धैर्य, सहिष्णुता और आपसी सद्भाव बनाए रखने की भावुक अपील की है। प्रधानमंत्री का यह कथन बिल्कुल सत्य है कि ₹कोई भी धर्म हिंसा या विभाजन की शिक्षा नहीं देता₹। सरकार ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के लिए गृह मंत्रालय के तहत एक उच्च स्तरीय समिति का गठन भी किया है। लेकिन केवल अपीलों और कमेटियों के गठन से खोया हुआ विश्वास वापस नहीं आता। सरकार को अब कथनी से आगे बढ़कर ठोस कार्रवाई करनी होगी। सबसे पहले, हिंसा भड़काने वाले, सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले और अफवाहबाजों की पहचान कर उनके खिलाफ बिना किसी राजनीतिक संरक्षण के सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, पुलिस बल प्रयोग की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए कि क्या भीड़ को नियंत्रित करने के लिए गोलीबारी के अलावा अन्य विकल्पों का सही इस्तेमाल किया गया था या नहीं।

नेपाल इस समय एक चौराहे पर खड़ा है। कर्फ्यू और संगीनों के साये में कायम की गई शांति कभी भी स्थायी नहीं हो सकती। यदि तराई-मधेश में स्थायी शांति बहाल करनी है, तो बहुस्तरीय प्रयास करने होंगेःराष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बिल्कुल ठीक कहा है कि ₹सद्भाव, सुलह और भाईचारे की भावना ही नेपाली समाज की अद्वितीय पहचान है₹। नेपाल जैसे बहुसांस्कृतिक और विकासशील देश के लिए आंतरिक स्थिरता ही आर्थिक और सामाजिक प्रगति की पहली शर्त है। सुनसरी की घटना एक कड़वी चेतावनी है कि यदि हमने अपनी साझी विरासत और आपसी विश्वास को सहेजकर नहीं रखा, तो नफरत की यह आग किसी का भी भला नहीं करेगी। अब समय आ गया है कि नेपाल का नागरिक समाज, सरकार और आम जनता एकजुट होकर इन विघटनकारी ताकतों को नाकाम करें। बंदूक की गोलियों और कर्फ्यू के साये से बाहर निकलकर, संवाद और सहिष्णुता के रास्ते पर चलकर ही नेपाल फिर से शांति के पथ पर अग्रसर हो सकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में कप्तानगंज जैसी पुनरावृत्ति देश के किसी भी कोने में न हो।

जनता के बेवकूफ समझने वाले नेताओं के हिस्से में आती है सिर्फ सियासी दुर्दशा

-अजय कुमार

बात हाल-फिलहाल की है, जब भारत के दिल और देश की राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन की हेडलाइनों की तपिश से उबल रहा था। पूरे देश में इस आंदोलन को लेकर चर्चा गरम थी। चाय की एक दुकान पर टंगे टेलीविजन स्क्रीन पर तीन-चार नेता एक-दूसरे पर चिल्ला रहे थे। बहस का विषय देश का विकास, युवाओं की नौकरियां, महिलाओं की सुरक्षा या किसानों की बदहाली नहीं था, बल्कि एक मामूली स्थानीय घटना को लेकर शुरू हुआ ऐसा विवाद था, जिसे मजहबी और सियासी रंग दे दिया गया था। बहस में शामिल एक युवा नेता पूरी ताकत से चिल्लाकर अपने से दुगनी उम्र के विरोधी नेता को सरेआम भ्रष्टाचारी और अपराधियों का सरपरस्त घोषित कर रहा था। उसके पास न तो कोई अदालती सबूत था और न ही कोई पुख्ता दस्तावेज, लेकिन उसकी आवाज की कड़वाहट और अपशब्दों की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि एंकर भी मूकदर्शक बना हुआ था। चाय की चुस्की लेते हुए वहां खड़े एक बुजुर्ग ने गहरी सांस छोड़कर पास बैठे नौजवान से कहा कि आजकल जो जितना घटिया और तीखा बोलता है, उसे उतना ही बड़ा और जुझारू नेता मान लिया जाता है, सियासी तजुर्बे और मयार्दा की तो जैसे अब कोई कीमत ही नहीं बची है।

यह दृश्य आज देश की समकालीन राजनीति का एक ऐसा कड़वा सच बन चुका है, जहां राजनीति हर समय 24 घंटे और 365 दिन चरम पर रहती है। चुनाव खत्म हो जाते हैं, सरकारें बन जाती हैं, लेकिन चुनावी मोचेबंदी और नफरत का माहौल कभी शांत नहीं होता। राजनीति का स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है और सार्वजनिक विमर्श से वे मुद्दे पूरी तरह गायब हो चुके हैं, जो सीधे तौर पर आम नागरिक के जीवन को प्रभावित करते हैं। आज देश के युवाओं की तरक्की, रोजगार के नए अवसरों का निर्माण, महिलाओं का सम्मान और उनकी वास्तविक सुरक्षा, किसानों की आय दोगुनी करना, मजदूरों को उनका हक दिलाना और कानून व्यवस्था को मजबूत करके अपराधियों पर शिकंजा कसना जैसे बुनियादी विषय राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों की धूल फांक रहे हैं। नेताओं की चिंता अब देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की कम और सोशल मीडिया पर अपनी रील्स और बयानों को वायरल करवाकर सुर्खियां बटोरने की ज्यादा हो गई है। अपनी राजनीति चमकाने के लिए बेहद छोटी और स्थानीय घटनाओं को तिल का ताड़ बनाकर पेश करना कुछ सियासी सूरमाओं का रोज का काम बन गया है।

इस गिरते स्तर का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि अब बिना किसी जांच या सबूत के किसी भी सम्मानित व्यक्ति या विरोधी पर सीधे भ्रष्टाचार, बलात्कारियों को संरक्षण देने या चंदा चोरी जैसे गंभीर आरोप लगा दिए जाते हैं। टीवी कैमरों के सामने आकर बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस में सनसनी फैलाई जाती है, लेकिन जब अदालत में सबूत पेश करने या जिम्मेदारी लेने का वक्त आता है, तो यही नेता अपनी बात से पलट जाते हैं या फिर विक्टिम कार्ड खेलने लगते हैं। जिम्मेदारी से भाग जाना और झूठे आरोपों के पीछे छिप जाना आज के कई राजनेताओं का स्थायी चरित्र बन चुका है। हद तो तब हो जाती है, जब अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए कुछ नेता देश की तुलना पड़ोसी मुल्कों से करने लगते हैं। कोई भारत को नेपाल जैसी अस्थिरता की तरफ धकेलने की बात करता है, तो कोई खुलेआम धमकी देता है कि अगर उनकी बातें न मानी गईं तो देश के हालात बांग्लादेश जैसे हो जाएंगे, जहां तख्तापलट और हिंसा का तांडव देखने को मिला था। ऐसी गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी करते वक्त वे भूल जाते हैं कि वे उसी लोकतंत्र की थाली में छेद कर रहे हैं, जिसने उन्हें पहचान और पावर दी है। इस पूरे तमाशे में सबसे बड़ा सहारा संविधान को बनाया जाता है। हर छोटा-बड़ा नेता हाथ में संविधान की किताब लेकर घूमता दिखाई देता है और खुद को उसका सबसे बड़ा रक्षक घोषित करता है। लेकिन विडंबना देखिए कि उसी संविधान की दुहाई देकर रोज लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान किया जाता है, न्यायपालिका पर सवाल उठाए जाते हैं और कानून की धज्जियां उड़ाई जाती हैं। संविधान को ढाल बनाकर देश के ताने-बाने को तार-तार करने का यह खेल अब जनता भी समझने लगी है। इसी राजनीति का एक और दुखद और घिनौना पहलू यह है कि प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्ष दिखने की होड़ में किसी न किसी बहाने से सनातन परंपराओं और हिंदुओं को गाली देना आज एक फैशन और नया रिवाज बन गया है। बहुसंख्यक समाज की आस्था, उनके त्योहारों और उनकी संस्कृति पर अभद्र टिप्पणियां करके कुछ राजनीतिक दल एक खास वोट बैंक को साधने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि सनातन को नीचा दिखाकर वे खुद को आधुनिक और मसीहा साबित कर देंगे, लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि इस देश की आत्मा सर्वधर्म समभाव में बसती है और किसी एक धर्म को लगातार निशाना बनाना समाज में केवल नफरत का जहर ही घोलता है।

इन नेताओं की सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि ये जनता को बेवकूफ समझते हैं। वातानुकूलित कमरों में बैठकर सोशल मीडिया की ट्रोल आर्मी के भरोसे राजनीति करने वाले इन सियासी दलों को लगता है कि वे जनता से बहुत ज्यादा होशियार और काबिल हैं। वे सोचते हैं कि वे जो भी नैरेटिव या झूठ परोसेंगे, जनता उसे सच मानकर आंखें बंद कर लेगी। वे जनता की खामोशी को उनकी नासमझी मान बैठते हैं। लेकिन भारतीय लोकतंत्र का इतिहास गवाह है कि जब-जब नेताओं का अहंकार सातवें आसमान पर पहुंचा है, तब-तब इसी देश की साधारण और गरीब जनता ने अपने वोट की ताकत से बड़े-बड़े सूरमाओं के सिंहासन को मिट्टी में मिला दिया है। जनता नेताओं की हर चाल, उनके हर खोखले वादे, उनके झूठे आरोपों और उनकी नफरत भरी बयानबाजी को बहुत बारीकी से देखती है। जब चुनाव का समय आता है, तो वह बिना कोई शोर मचाए ईवीएम का बटन दबाकर इन घमंडी और खुद को जरूरत से ज्यादा चालाक समझने वाले नेताओं को उनकी सही जगह दिखा देती है।

हाल के वर्षों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां जनता ने उन दलों और नेताओं को बार-बार ठुकराया है, जो केवल नकारात्मकता, झूठे आरोपों और बहुसंख्यक समाज को गाली देने की राजनीति पर निर्भर थे। जिन राज्यों में नेताओं ने विकास के काम ठप कर-के केवल जातिगत नफरत और तुष्टिकरण का खेल खेला, वहां की जनता ने उन्हें सत्ता के गलियारों से बाहर का रास्ता दिखा दिया। जिन नेताओं ने बिना सबूत के कीचड़ उछालने को ही अपना मुख्य पेशा बना लिया था, उन्हें जनता ने चुनावों में करारी शिकस्त देकर यह संदेश दिया कि देश को गालीबाज नहीं, बल्कि काम करने वाले जनसेवक चाहिए। लेकिन इस लोकतांत्रिक थप्पड़ के बाद भी इन नेताओं के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। चुनाव हारने के बाद अपनी गलतियों को सुधारने और आत्ममंथन करने के बजाय, इन सियासी दलों का हो-हल्ला मचाने का सिलसिला और तेज हो जाता है। वे अपनी हार का ठीकरा कभी ईवीएम पर फोड़ते हैं, कभी चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करते हैं, तो कभी जनता के विवेक पर ही सवाल उठाने लगते हैं। वे यह मानने को तैयार ही नहीं होते कि जनता ने उनके खोखलेपन और उनकी नफरत की राजनीति को खारिज कर दिया है। संसद से लेकर सड़क तक इनका यह हंगामा और शोर-शराबा थपने का नाम नहीं लेता, क्योंकि इनका मकसद देश का सुधार करना नहीं, बल्कि किसी भी तरह सत्ता हथियाना या फिर चर्चा में बने रहना है। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं है कि उनके इस गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार से देश की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब होती है या युवा पीढ़ी के मन में राजनीति के प्रति पूरी तरह से वितृष्णा पैदा हो रही है। आज का जागरूक युवा जब इन नेताओं को संसद में कागज फाड़ते, आसन के सामने चिल्लाते और घटिया स्तर की भाषा का इस्तेमाल करते देखता है, तो उसका लोकतंत्र के इस पूरे ढांचे से भरोसा डगमगाने लगता है। राजनीति, जो कभी देश सेवा और समाज सुधार का सबसे पवित्र माध्यम मानी जाती थी, उसे इन स्वार्थी और अहंकारी नेताओं ने व्यक्तिगत दुश्मनी साधने और अपनी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने का अखाड़ा बना दिया है।

आम जनता के दिलों में देश की इस राजनीतिक स्थिति को लेकर चिंता साफ देखी जा सकती थी। ये नेता चाहे जितना भी हो-हल्ला मचा लें, चाहे जितना भी खुद को जनता से ज्यादा होशियार समझ लें, आखिरी फैसला इसी देश की मिट्टी और यहां के लोगों को करना है। जो दल देश के विकास, युवाओं के रोजगार और महिलाओं के सम्मान की चिंता छोड़कर केवल विभाजन और अपशब्दों का सहारा लेगा, उसे यह जनता बार-बार और हर बार ठुकराती रहेगी। शोर मचाने वाले नेता कुछ समय के लिए सुर्खियां तो पा सकते हैं, लेकिन वे कभी जनता के दिलों में जगह नहीं बना सकते। भारतीय लोकतंत्र की असली ताकत इसकी समझदार जनता है, जो समय आने पर हर अहंकारी और झूठे राजनेता का भ्रम बड़ी खामोशी और बेमुरव्वत तरीके से तोड़ देती है, और यही इस देश के भविष्य की सबसे बड़ी उम्मीद भी है।

युवाओं के हाथ में अराजकता का झंडा थमाने की विपक्षी रणनीति

-संजय सक्सेना

भारतीय राजनीति में लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों का एक गरिमामय इतिहास रहा है। संविधान ने नागरिकों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को रखने और विरोध दर्ज कराने का मौलिक अधिकार दिया है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में देश की राजनीति में एक खतरनाक प्रवृत्ति देखने को मिली है, जहाँ लोकतांत्रिक आंदोलन की आड़ में उपद्रवी और अराजक तत्व हिंसा फैलाते हैं और राजनीतिक दल अपने संकीर्ण स्वार्थों के लिए उन दंगाइयों-उपद्रवियों को कभी मासूम जनता, मासूम छात्र और युवा या अन्नदाता बताकर देश में अराजकता फैलाने और लोगों को भड़काने की साजिश में जुट जाते हैं। हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों और उपद्रव के दौरान भी यही पटकथा दोहराई गई। उपद्रवियों और हिंसा फैलाने वालों को छात्रों का चोला पहनाकर पूरे देश के युवाओं की संवेदनाओं से खेलने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहला अवसर नहीं है; इससे पूर्व किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) विरोधी प्रदर्शन, और एसआईआर आंदोलन के दौरान भी विपक्ष ने अराजकता फैलाने वालों को ढाल बनाकर अपने राजनीतिक मंसूबों को साधने का प्रयास किया था। इसकी जड़ में जाया जाये तो पता चलता है कि जब-जब देश में बड़े कानून बने या प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में कदम उठाए गए, तब-तब एक खास राजनीतिक तंत्र ने उन सुधारों का रचनात्मक विरोध करने के बजाय सड़कों पर हिंसा और व्यवधान उत्पन्न करने वाली शक्तियों को संरक्षण दिया। सीएए विरोधी आंदोलन, नागरिकता देने वाले कानून को नागरिकता छीनने वाला भ्रम बनाकर देश के विभिन्न हिस्सों में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। हिंसा में लिप्त असामाजिक तत्वों के पक्ष में राजनीतिक बयानबाजी की गई।

इसी तरह से किसानों के नाम पर दिल्ली की सीमाओं को महीनों तक घेरा गया, जिससे आम नागरिकों और देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ। 26 जनवरी को लाल किले पर हुई ऐतिहासिक हिंसा और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के दोषियों का बचाव करने में भी राजनीतिक दलों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। जंतर-मंतर पर हालिया प्रदर्शनों के दौरान जब स्थिति बिगड़ी और उपद्रवियों द्वारा सुरक्षा बलों एवं आम जनजीवन को निशाना बनाया गया, तब पुनः वही घिसा-पिटा वृत्तांत गढ़ा गया कि सरकार निर्दोष छात्रों पर अत्याचार कर रही है।उधर, न्यायपालिका ने बार-बार स्पष्ट किया है कि विरोध प्रदर्शन का अधिकार कानून हाथ में लेने या हिंसा फैलाने का लाइसेंस नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई मील के पत्थर साबित होने वाले फैसलों में यह सिद्धांत तय किया है। आंदोलन या विरोध के नाम पर सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले, कानून-व्यवस्था को भंग करने वाले और सार्वजनिक हिंसा में शामिल पूर्व के अपराधियों एवं उपद्रवियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को राजनीतिक दबाव में वापस नहीं लिया जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय का यह रुख स्पष्ट करता है कि कानून की नजर में उपद्रवी केवल उपद्रवी होता है, चाहे वह खुद को छात्र कहे या आंदोलनकारी।

बहरहाल, अदालत के इस स्पष्ट और सख्त रुख के बावजूद, आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज और अन्य नेताओं ने अदालती प्रक्रिया और फैसलों पर राजनीतिक बयानबाजी की। न्यायपालिका द्वारा आपराधिक मामलों को वापस न लेने के फैसले के खिलाफ जिस प्रकार की तीखी भाषा का प्रयोग किया गया, उसने न्यायिक मयार्दाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। अदालत को एक तरह से राजनीतिक चुनौती देना या सार्वजनिक रूप से दबाने का प्रयास करना न्याय तंत्र की निष्पक्षता पर सीधा हमला है। विपक्ष के वृत्तांत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका दोहरा रवैया और चयनात्मक संवेदनशीलता है।बात पैलेट गन के इस्तेमाल की भी जरूरत है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी संसद से लेकर सड़कों तक पेलेट गन की एक घटना को लेकर पूरे देश में हाहाकार मचाए हुए हैं और संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं। निस्संदेह किसी भी नागरिक या छात्र का घायल होना दुखद है और उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लेकिन इस एक घटना को राजनीतिक ढाल बनाकर संसद की कार्यवाही को ठप करना, देश के करोड़ों रुपये और विधायी समय को बर्बाद करना कहाँ तक न्यायसंगत है? दूसरी तरफ, प्रतियोगी परीक्षाओं के तनाव, कोचिंग संस्थानों की लापरवाही और प्रशासनिक कमियों के चलते जब हाल ही में लगभग 21 छात्र-छात्राओं की अकाल मृत्यु (आत्महत्या और दुर्घटनाओं) हुई, तो उस गंभीर त्रासदी पर विपक्ष की ओर से वैसी संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई।

पैलेट गन की घटना पर विपक्ष ने संसद की कार्यवाही बाधित की, प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं और आक्रामक बयान दिए, जबकि 21 छात्रों की मृत्यु पर सीमित या नाममात्र की बयानबाजी देखने को मिली। पेलेट गन की घटना में नेता पीड़ित के घर पहुँचे या मीडिया में उनके साथ दिखाई दिए, लेकिन 21 मृतक छात्र-छात्राओं के मामले में किसी प्रमुख विपक्षी नेता का परिवारों से मिलने पहुँचना भी आवश्यक नहीं समझा गया। जहाँ एक घटना में सरकार विरोधी माहौल बनाने का प्रयास हुआ, वहीं दूसरी घटना में राजनीतिक लाभ न दिखने के कारण उपेक्षा दिखाई दी। चाहे कांग्रेस हो, समाजवादी पार्टी हो या आम आदमी पार्टी, किसी भी बड़े नेता ने उन 21 मृतक छात्र-छात्राओं के पीड़ित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनका दर्द बाँटना जरूरी नहीं समझा। यह विरोधाभास साफ दशार्ता है कि विपक्ष की संवेदनाएँ छात्रों के भविष्य या उनके जीवन से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती हैं कि किस घटना से सरकार पर राजनीतिक हमला बोला जा सकता है। सब जानते हैं कि युवा किसी भी देश की रीढ़ होते हैं। उनकी ऊर्जा, उनका आक्रोश और उनकी आकांक्षाएँ देश के निर्माण में काम आनी चाहिए। लेकिन जब राजनीतिक दल अपने स्वार्थों के लिए युवाओं के हाथों में किताबों के बजाय अराजकता का झंडा थमाने की कोशिश करते हैं, तो इसका नुकसान पूरे समाज को उठाना पड़ता है। जब आपराधिक छवि के लोग या हिंसा फैलाने वाले उपद्रवी छात्रों के भेष में शामिल होते हैं, तो वास्तविक और जायज मांगों के लिए लड़ रहे सच्चे छात्रों की आवाज भी दब जाती है। हर मुद्दे पर संसद को ठप करना देश के लोकतांत्रिक ढाँचे को कमजोर करता है। उपद्रवियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग करना भविष्य के अपराधियों को यह संदेश देता है कि वे हिंसा करके भी राजनीतिक संरक्षण पा सकते हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सर्वोपरि है, लेकिन हिंसा और अराजकता की आड़ में देश की व्यवस्था को बंधक बनाना कतई स्वीकार्य नहीं हो सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि हिंसा के दोषियों को सजा मिलनी ही चाहिए।

विपक्ष को यह समझना होगा कि हर विरोध प्रदर्शन को राजनीतिक हथियार बनाकर देश के युवाओं को भड़काने की नीति दीर्घकालिक रूप से देशहित और स्वयं उनके राजनीतिक भविष्य के लिए घातक है। पेलेट गन की घटना पर आक्रामक होकर संसद रोकना और दूसरी तरफ दर्जनों मृत छात्रों के परिवारों की उपेक्षा करना विपक्ष की संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र को उजागर करता है। देश का युवा आज जागरूक है; वह समझता है कि कौन उसके भविष्य की बात कर रहा है और कौन उसे केवल राजनीतिक मोहरा बना रहा है। विपक्ष को लगता है कि वह अगले साल पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में इसका फायदा उठा लेगा तो यह इतना सहज नहीं है क्योंकि जनता सब जानती है।

32 करोड़ रुपये के लेन-देन के विवाद में पार्टनर की हत्या की साजिश का पर्दाफाश

वालिव पुलिस की बड़ी कार्रवाई: मुख्य साजिशकर्ता समेत 7 आरोपी गिरफ्तार, यूपी से दबोचे गए आरोपी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई पूर्व में वित्तीय लाभ के लिए कंपनी के साझेदार की हत्या का प्रयास करने की साजिश का पर्दाफाश करते हुए वालिव पुलिस स्टेशन की टीम ने मुख्य साजिशकर्ता समेत कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले को सुलझाने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पुलिस ने मामले में वैज्ञानिक, तकनीकी, डिजिटल, वित्तीय और फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई है। जानकारी के अनुसार, 24 जुलाई 2026 को डायमंड इंडस्ट्रियल एस्टेट, वसई (पूर्व) स्थित जी.एस.एम. फॉइल्स लिमिटेड में कंपनी के साझेदार मोहन सिंह लक्ष्मण सिंह परमार पर पिस्तौल से गोली चलाकर हत्या का प्रयास किया गया था। घटना के बाद वालिव पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 497/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया।

शेयर बाजार में भारी नुकसान के बाद रची साजिश

पुलिस जांच में सामने आया कि घायल मोहन सिंह परमार और आरोपी सागर गिरीश भंसाली जी.एस.एम. फॉइल्स लिमिटेड के साझेदार हैं। जांच के अनुसार, सागर भंसाली ने शेयर बाजार में बड़ी रकम निवेश की थी। अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट के चलते उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ और वह कथित रूप से करोड़ों रुपये के कर्ज में डूब गया। आर्थिक संकट से बाहर निकलने के लिए आरोपी ने मोहन सिंह परमार को कंपनी में अपने शेयर बेचने के लिए राजी किया। इसके बाद परमार द्वारा सागर भंसाली को करीब 32 करोड़ रुपये का भुगतान किए जाने की जानकारी जांच में सामने आई।

हत्या के पीछे करोड़ों का आर्थिक लाभ!

पुलिस के मुताबिक, जांच में यह बात सामने आया कि आरोपियों ने मोहन सिंह परमार की हत्या की साजिश इसलिए रची थी ताकि उनकी मृत्यु होने की स्थिति में 32 करोड़ रुपये की राशि वापस करने की जिम्मेदारी से बचा जा सके और साथ ही कंपनी पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर आर्थिक लाभ कमाया जा सके।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वालिव पुलिस ने तकनीकी एवं डिजिटल साक्ष्यों के साथ-साथ स्थानीय मुखबिरों से प्राप्त जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान एक आरोपी के उत्तर प्रदेश में होने की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति से वालिव पुलिस की विशेष टीम उत्तर प्रदेश पहुंची और कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सात आरोपी गिरफ्तार, जांच जारी

इस मामले में अब तक कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ के साथ अपराध से जुड़े वैज्ञानिक, तकनीकी, डिजिटल, वित्तीय और फोरेंसिक साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस साजिश के पीछे कोई अन्य वित्तीय, व्यावसायिक अथवा संगठित आपराधिक नेटवर्क तो सक्रिय नहीं था। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिंदे के मार्गदर्शन तथा संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों अशोक विरकर और नितिन गीते, सहायक पुलिस आयुक्त के पर्यवेक्षण में की गई। वालिव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप घुगे के नेतृत्व में अपराध जांच टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन ने सफाई कामगारों की विभिन्न समस्याओं को लेकर उपमहापौर संजय घाड़ी के साथ बैठक की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लंबे समय से सफाई कामगारों की विभिन्न समस्याओं को सुलझाने के लिए अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन निरंतर प्रयासरत है। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए गत दिनों मुंबई के उपमहापौर संजय घाड़ी की अध्यक्षता में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दलित मित्र गोविंद भाई परमार के नेतृत्व में मनपा मुख्यालय के उपमहापौर कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप महापौर संजय घाड़ी के साथ मनपा उपायुक्त किरण दिघावकर, सह-अधिकारी इंगले मैडम और मुख्य पर्यवेक्षक अर्नालकर उपस्थित थे। इस बैठक में सफाई कर्मचारियों के ठेकेदारी विषय पर चर्चा की हुई। जिसमें विशेष रूप से घन कचरा विभाग में ठेका पद्धति न लाया जाए और सफाई कामगारों की भरती जी / आर के आधार पर होनी चाहिए। इसी तरह सफाई कामगारों को मालिकाना हक्क के आधार पर 500 वर्ग फुट का घर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही माहुल गांव चेंबूर में 450 वर्ग फीट का घर दिया जाए ऐसी मांग की गई। इसके अलावा लाड पागे समिति की सिफारिशों को जल्द से जल्द लागू किया जाए। जाति प्रमाण पत्र 1960 के आधार पर लागू किया जाए। बैठक की अध्यक्षता उपमहापौर संजय घाड़ी ने की। उपमहापौर ने मनपा उपायुक्त किरण दिघावकर से समान रूप से चर्चा के बीच कुछ मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा के लिए ग्रुप मीटिंग कर मान्यता दिलाने पर जोर दिया। बैठक में प्रमुख रूप से यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार, मुंबई अध्यक्ष रवि गवली, उपाध्यक्ष नवीन मकवाना, रघुनाथ जाधव, भाऊ जाधव, राजेश टाकेकर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। अंत में गोविंदभाई परमार की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

वेस्टर्न पार्क चौंक स्थित गटर लाइन और सड़क पर जलभराव की समस्या जल्द होगी दूर

नगरसेवक अनिल भोसले ने संबंधित अधिकारियों को कराया अवगत, मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू करने का दिया आश्वासन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा वार्ड क्रमांक 14 के वेस्टर्न पार्क क्षेत्र में गटर लाइन की समस्या एवं सड़क पर पानी के बहाव को लेकर स्थानीय नागरिकों को हो रही परेशानी का संज्ञान लेते हुए नगरसेवक अनिल भोसले ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया। वेस्टर्न पार्क परिसर में गटर लाइन के चौकअप तथा सड़क पर पानी के अनियंत्रित बहाव के कारण नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। समस्या की जानकारी मिलते ही नगरसेवक अनिल भोसले ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर मौके की स्थिति से अवगत कराया और जल्द से जल्द आवश्यक मरम्मत एवं सुधारात्मक कार्य करने के निर्देश दिए। नगरसेवक भोसले ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि गटर लाइन की जांच और सड़क पर पानी के बहाव की समस्या का जल्द समाधान कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने तथा समस्या का स्थायी समाधान करने पर जोर दिया। स्थानीय नागरिकों ने भी समस्या का संज्ञान लेने और अधिकारियों को तत्काल सूचित करने के लिए नगरसेवक अनिल भोसले का आभार व्यक्त किया।

नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों को वितरित किये गये टीओटी प्रमाणपत्र व पहचान पत्र

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के गृह विभाग, विशेष नागरी संरक्षण दल के निदेर्शानुसार शुक्रवार 31 जुलाई 2026 को पालघर जिला मुख्यालय स्थित प्रशासकीय भवन ' अ ' के कक्ष क्रमांक 105 में सिविल डिफेंस कार्यालय में टीओटी (ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स) प्रमाणपत्र एवं पहचान पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला उपनियंत्रक, नागरी संरक्षण दल के.आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। समारोह में उपस्थित अतिथियों के करकमलों से स्वयंसेवकों को प्रमाणपत्र एवं पहचान पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विभागीय क्षेत्ररक्षक व बोईसर-पालघर पत्रकार संघ अध्यक्ष रामप्रकाश निराला ने की। इस अवसर पर जिला उपनियंत्रक, नागरी संरक्षण दल के.आर. कुरकुटे, राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के महासचिव रविन्द्र मिश्रा, पालघर विभागीय क्षेत्ररक्षक निलेश सुदाम वझे, पूर्व अधिकारी गौरव पाटील व पत्रकार अजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कासा, दहानू, बोईसर, पालघर तथा वसई क्षेत्र से बड़ी संख्या में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। सभी स्वयंसेवकों को टीओटी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाणपत्र एवं आधकारिक पहचान पत्र प्रदान किये गये। इस मौके पर वक्ताओं ने स्वयंसेवकों से आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में जनसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

कृपाशंकर सिंह उत्तर भारतीय समाज के गौरव : सुरेश सिंह

भायंदर(उत्तरशक्ति)। झमाझम हो रही बारिश के बावजूद महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह का 76वा जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। सुबह 10 बजे से ही बांद्रा पूर्व स्थित उनके कार्यालय पर लोगों का आगमन शुरू हो गया था। मीरा भायंदर शहर से भारी संख्या में लोग समारोह में शामिल हुए। उत्तर भारतीय मोर्चा भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष तथा राज रियलिटी के संचालक सुरेश सिंह ने अपने साथियों के साथ सबसे पहले उनका सम्मान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी रत्नाकर मिश्रा, जिला महामंत्री कमलेश दुबे ,पत्रकार महेंद्र पांडे, सुरेंद्र तिवारी तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे उपस्थित रहे। सुरेश सिंह ने कहा कि कृपाशंकर सिंह उत्तर भारतीय समाज के गौरव हैं। उन्होंने हमेशा उत्तर भारतीय समाज का सिर गर्व से ऊंचा किया है। हम सभी ईश्वर से उनके स्वस्थ और दीघार्यु जीवन की प्रार्थना करते हैं।

शिवसेना की ओर से भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का किया गया आयोजन, नौ स्कूलों के 59 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। हिंदू हृदय सम्राट, सरसेनापति एवं शिवसेना प्रमुख स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी तथा शिवसेना पक्षप्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव बालासाहेब ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर शिवसेना शहर जिला शाखा में विद्यार्थियों के लिए भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नौ स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला सहसंपर्क प्रमुख मनोज गगे, पूर्व शहर प्रमुख मोहन वल्लाल, पूर्व महानगर प्रमुख अरुण पाटिल, पूर्व जिला संगठिका वैशाली मेस्त्री, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, शहर प्रमुख प्रदीप बोडके, पश्चिम शहर प्रमुख गजेंद्र गुलवी, पूर्व सचिव नितेश दांडेकर, भाकासेना अध्यक्ष नजीर शेख पप्पन तथा उपशहर प्रमुख गणेश मोरे की प्रमुख उपस्थिति में किया गया। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 5वीं से 7वीं तथा 8वीं से 10वीं तक के दो वर्ग बनाए गए थे। दोनों वर्गों में 22-22 विद्यार्थियों सहित कुल 44 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने बालासाहेब ठाकरे के व्यक्तित्व, उनके वक्तृत्व कौशल, व्यंग्यचित्र तथा उनके निर्भीक व्यक्तित्व जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में 15 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने बालासाहेब ठाकरे के जीवन, व्यक्तित्व और विचारों को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। भाषण प्रतियोगिता के 5वीं से 7वीं कक्षा के वर्ग में तीन तथा 8वीं से 10वीं कक्षा के वर्ग में तीन पुरस्कार प्रदान किए गए। चित्रकला प्रतियोगिता में भी तीन विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में शामिल सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रशस्तिपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमुख मार्गदर्शक एवं परीक्षक रामदास पाटिल सर के साथ शांताराम आगिवले सर, प्रमोद पाटिल सर, डोंगरे सर, राजन काबाडी, पूर्णिमा पाटिल, सचिन पाटिल एवं अशोक बाबर सर का मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में प्रभाग क्रमांक 5 के सभापति एवं नगरसेवक वैभव भोईर, नगरसेविका रोमा निलेश आलशी, नेहा नवीन काठवले, निलेश आलशी एवं नवीन काठवले सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नौ स्कूलों के मुख्याध्यापकों ने भी कार्यक्रम में प्रमुखता से सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरूआत जिला सहसंपर्क प्रमुख मनोज गगे के प्रास्ताविक से हुई। इस अवसर पर उपस्थित सभी मान्यवरों का सत्कार किया गया।

स्वर्गीय अजितदादा पवार की जयंती पर चेंबूर में वरिष्ठ नागरिकों को छाते एवं विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, चेंबूर तालुका की ओर से लोकनेता स्वर्गीय अजितदादा पवार की जयंती के अवसर पर चेंबूर में एक सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क छाते तथा स्कूली विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुंबई कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ कांबळे के हाथों वरिष्ठ नागरिकों को छाते तथा विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई। इस सामाजिक पहल को वरिष्ठ नागरिकों और विद्यार्थियों का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला। इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव संजय तटकरे, प्रदेश महासचिव संतोष धुवाली, चेंबूर तालुकाध्यक्ष नंदू सवणे सहित चेंबूर तालुका के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुंबई कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ कांबळे के माध्यम से आयोजित इस पहल के तहत जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई गई, वहीं वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क छातों का वितरण किया गया। उपस्थित लोगों ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए आयोजकों की प्रशंसा की।

ऐतिहासिक श्री दत्त मंदिर में श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

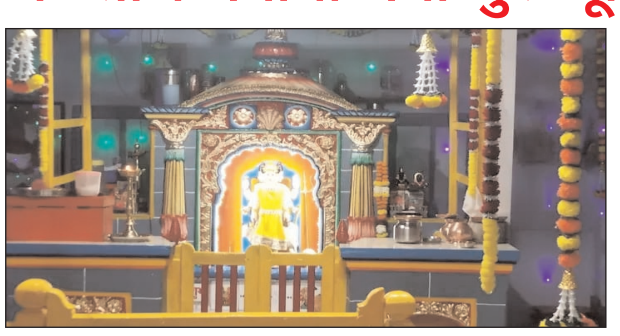

पालघर (उत्तरशक्ति)। शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक स्थित लगभग 125 वर्ष पुराने ऐतिहासिक श्री दत्त मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति व उत्साह के साथ मनाया गया। यह मंदिर स्वर्गीय जनार्दन बाबा महाराज की पावन परंपरा से जुड़ा हुआ है, जहां पिछले सवा सौ वर्षों से गुरु पूर्णिमा उत्सव निरंतर आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव की शुरूआत प्रातःकाल भगवान दत्तात्रेय के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक से हुई। इसके बाद नामस्मरण, महाआरती, भजन-कीर्तन तथा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। धार्मिक कार्यक्रमों का संचालन पुरोहित जोशी बंधुओं तथा दत्त भक्तों ने सामूहिक रूप से किया। पूरे दिन मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की उपस्थिति व भक्ति रस से सराबोर रहा तथा वातावरण पूरी तरह दत्तमय हो गया। स्वर्गीय जनार्दन बाबा महाराज की चौथी पीढ़ी आज भी इस धार्मिक परंपरा को पूरी श्रद्धा से आगे बढ़ा रही है। परिवार द्वारा प्रत्येक वर्ष गुरु पूर्णिमा महोत्सव के साथ-साथ चिंचणी एवं आसपास के क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक व जनकल्याणकारी कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है। गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान दत्तात्रेय के दर्शन किये, पूजा-अर्चना की तथा महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

केंद्रीय ओबीसी सूची में 33 जातियों के साथ सलमानी जाति को भी शामिल करने की मांग

- ओबीसी महाराष्ट्र कृति समिति ने दिल्ली में केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठवाले से की मुलाकात
- रामदास अठावले ने कहा जल्द प्रक्रिया पूरी कर सभी को शामिल करने का किया जायेगा प्रयास

पालघर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र की राज्य ओबीसी सूची में शामिल, लेकिन अभी तक केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल न हो सकीं 33 जातियों के साथ सलमानी जाति को न्याय दिलाने की मांग को लेकर ओबीसी महाराष्ट्र कृति समिति के 33 जातियों के प्रतिनिधि 29 जुलाई 2026 से नई दिल्ली में हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि केंद्रीय अधिसूचना तुरंत जारी की जाये।

महाराष्ट्र सरकार ने 8 अक्टूबर 2024 और 2 नवंबर 2024 को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सकारात्मक सिफारिशों के साथ प्रस्ताव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को भेजे हैं। लेकिन अभी तक केंद्रीय अधिसूचना प्रकाशित न होने के कारण लाखों ओबीसी छात्रों और युवाओं को केंद्र सरकार के आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है, ऐसा प्रतिनिधियों ने बताया। दिल्ली में पहले ही दिन प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षाताई खडसे, बी. एल. वर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. भागवत कराड, लोकसभा ओबीसी कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ. गणेश सिंह, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य किरण महाले, केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठवाले के साथ-साथ सांसद हेमंत विष्णु सावरा, अमर काले, उज्ज्वल निकम, डॉ. प्रशांत पडोले, दर्शनसिंह चौधरी और विधायक परिणय फुके से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपे। पहले चरण में बदगुजर, सूर्यवंशी गुजर, लेवे गुजर, पोवार-भोयर-पवार, कापेवार, तेलंगा, तेलंगी, पेंटारेड्डी, बुकेकारी, लोध-लोधा-लोधी, डांगरी आदि १५ जातियों का समावेश प्रस्तावित है। वहीं दूसरे चरण में कुलवंत वाणी, कुणबी वाणी, कराडी, कानोडी, नेवे वाणी, सतनामी, निषाद, मल्ल, मल्लाह आदि समाजों को शामिल किया गया है। इसके अलावा भावसार, ईस्ट इंडियन, फिरकी, वीरशैव लिंगायत, भानारा, गुरडी, तागवाले, वैश्यवाणी और दोरीक समाजों के प्रस्ताव भी अंतिम मंजूरी के इंतजार में हैं। प्रतिनिधिमंडल ने जनप्रतिनिधियों को बताया कि संबंधित जातियों को राज्य स्तर पर तो ओबीसी आरक्षण का लाभ मिल रहा है, लेकिन केंद्रीय सूची में शामिल न होने के कारण आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, यूपीएससी और केंद्र सरकार की विभिन्न नौकरियों व योजनाओं में आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता है। सभी कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं, इसलिए अब केवल केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी की आवश्यकता है, यह उन्होंने स्पष्ट किया। इस दौरान विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों व जनप्रतिनिधियों ने इस मांग को संबंधित मंत्रालय और संसद में उठाकर केंद्रीय अधिसूचना जल्द से जल्द जारी कराने का प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस बीच, देर रात बीएसएनएल कॉरपोरेट कार्यालय, कश्मीरी गेट पर प्रतिनिधियों की एक अनौपचारिक बैठक हुई। इसके बाद सभी प्रतिनिधि अपने-अपने निवास स्थान के लिए रवाना हो गये। इस मौके पर सलमानी समाज के मकसूद हसन सलमानी व आशाद शेख भी ओबीसी महाराष्ट्र कृति समिति के पदाधिकारी के साथ दिल्ली में उपस्थित थे।

चांदवड डोंगरीपाड़ा सड़क निर्माण में भारी बारिश से आई अस्थायी बाधा, सड़क निर्माण विभाग ने दी सफाई

पालघर (उत्तरशक्ति)। चांदवड डोंगरीपाड़ा क्षेत्र में सड़क के अभाव के कारण एक घायल व्यक्ति को डोली में अस्पताल ले जाने की घटना समाचार पत्रों में प्रकाशित होने के बाद जिला परिषद पालघर के निर्माण उपविभाग, दहानू ने इस मामले में अपना स्पष्टीकरण जारी किया है।

विभाग ने बताया कि संबंधित सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है, लेकिन लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कार्य अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ है।

निर्माण विभाग के अनुसार चांदवड डोंगरीपाड़ा सड़क की कुल लंबाई 1,200 मीटर है। यह मुरूमीकरण (ग्रामीण सड़क) का कार्य है, जिसमें मिट्टी भराई और गिट्टीकरण का काम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत किया जा रहा है। विभाग ने बताया कि सड़क पर लगभग तीन मीटर लंबी मोरी (पुलिया) का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान 29 जुलाई 2026 को हुई अत्यधिक वर्षा के कारण पानी का तेज बहाव शुरू हो गया, जिससे निर्माण कार्य को सुरक्षा कारणों से अस्थायी रूप से रोकना पड़ा और कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका। निर्माण विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्षा ऋतु में इस मार्ग पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए यहां एक नए साकव (छोटे पुल) के निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है।

विभाग का कहना है कि समाचार में प्रकाशित घटना के बाद वास्तविक स्थिति स्पष्ट करते हुए सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए आवश्यक कार्रवाई जारी है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि मौसम अनुकूल होते ही निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराया जायेगा, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मिट्टी लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से मां की मौत पुत्र बाल बाल बचा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की दोपहर शंकरमंडी चुंगी से

दहीदपुर नाला मार्ग के बीच हैदरपुर के पास बिना रजिस्ट्रेशन तेज रफ्तार अवैध खनन मिट्टी लदा ट्रैक्टर पीछे से बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें महिला की मौके पर मौत हो गई पुत्र बाल बाल बच गए सूचना पर ग्रामीण मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर का घेराव कर लिए चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर मिट्टी लदा ट्रैक्टर थाने ले गई और जांच पड़ताल में जुट गई।

बता दे कि जमालपुर गांव निवासी यादवेंद्र मौर्या की पत्नी राजदेई 65 वर्ष अपने बेटे ज्ञान सिंह के साथ घर से जौनपुर दवा लेने जा रही थी कि शकरमंडी चुंगी दहीदपुर नाला मार्ग हैदरपुर के पास बिना रजिस्ट्रेशन अवैध खनन मिट्टी लदा ट्रैक्टर पीछे से बाइक सवार को टक्कर मार दिया जिसमें मां राजदेई ट्रैक्टर की टायर से दबकर मौके पर मौत हो गई। वही पुत्र ज्ञान सिंह बाल बाल बच गया। जानकारी मिलते परिजन मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर को घेराव कर लिए। चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। और पुलिस मिट्टी लदा ट्रैक्टर थाने ले गई। मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।

सर्पदंश से महिला की मौत, परिवार में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के बदलापुर खुर्द गांव में जहरीले सांप के डंसने से 32 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि देर रात महिला घर में सो रही थी, तभी जहरीले सांप ने उसे काट लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल

लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय विधायक, तहसीलदार और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को शासन से मिलने वाली सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

पारिवारिक कलह से परेशान बरसठी थाने के कांस्टेबल ने खाया जहरीला पदार्थ, वाराणसी रेफर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाने में तैनात एक कांस्टेबल द्वारा कथित रूप से जहरीला पदार्थ खाने का मामला सामने आया है। कांस्टेबल की पहचान विवेक गौड़, निवासी मिजार्पुर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी

के अनुसार वह पारिवारिक कलह से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे।

अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने वाराणसी रेफर कर दिया। वर्तमान में उनका इलाज वाराणसी के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

नोट: घटना के कारणों को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पारिवारिक कलह की बात प्रारंभिक जानकारी के आधार पर सामने आई है, जिसकी जांच जारी है।

सावन और कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन सतर्क

डीएम-एसएसपी ने त्रिलोचन महादेव मंदिर का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सावन माह और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुचारु व्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। शुक्रवार को जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने त्रिलोचन महादेव मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा और सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से दुरुस्त रखने और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। डीएम और एसएसपी ने सुगम दर्शन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

जिला प्रशासन ने बताया कि

ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी सतर्कता, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही मंदिर परिसर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ प्रबंधन को प्रभावी बनाने और श्रद्धालुओं को सावन माह में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और सुविधा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन एवं पुलिस की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में दर्शन-पूजन की सुविधा मिल सके।

मानसून में संक्रामक रोगों से बचाव को जौनपुर मेडिकल कॉलेज पूरी तरह तैयार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मानसून के दौरान फैलने वाले संक्रामक एवं मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए उमा नाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार संचारी रोग नियंत्रण अभियान और ₹दस्तक₹ अभियान के तहत डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, स्क्रब टायफस, वायरल फीवर, दस्त और टाइफाइड जैसे रोगों की रोकथाम, शीघ्र पहचान और समयबद्ध उपचार पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने बताया कि अस्पताल में आवश्यक दवाएं, जांच सुविधाएं, प्रशिक्षित चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और आपातकालीन सेवाएं पूरी तरह उपलब्ध हैं। मरीजों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए. जाफरी ने बताया कि अस्पताल की तैयारियों की लगातार समीक्षा की जा रही है और सभी चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

वहीं, कम्युनिटी मेडिसिन

विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के साथ शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (यूएचटीसी), रहूलाबाद में विशेष फ्लू क्लीनिक संचालित किया जा रहा है, जहां बुखार, खांसी, सर्दी और वायरल संक्रमण के मरीजों की जांच एवं उपचार किया जा रहा है। गंभीर मरीजों को तत्काल मेडिकल कॉलेज रेफर किया जा रहा है।

अभियान के तहत लोगों को स्वच्छता, जलभराव रोकने, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने, स्वच्छ पेयजल के उपयोग और व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। ₹दस्तक₹ अभियान के अंतर्गत आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर संभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें जांच और उपचार के लिए स्वास्थ्य संस्थानों से जोड़ रहे हैं।

प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने जनपदवासियों से अपील की कि वे अपने घर और आसपास साफ-सफाई रखें, जलभराव न होने दें, मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाएं तथा बीमारी के शुरूआती लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। जनसहभागिता से ही संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

राष्ट्रीय महासचिव बनने पर पंकज श्रीवास्तव 'हैप्पी जी' का सम्मान, कायस्थ समाज में खुशी की लहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा-2150 ने जौनपुर नगर पालिका के नामित सभासद पंकज श्रीवास्तव 'हैप्पी जी' को संगठन का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। उनकी इस नियुक्ति से कायस्थ समाज में खुशी का माहौल है और विभिन्न सामाजिक संगठनों व समाज के लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

इस अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा-2150 के जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार श्रीवास्तव सहित संगठन के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने पंकज श्रीवास्तव का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

बधाई संदेश में कहा गया कि पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व, संगठन क्षमता और सक्रिय कार्यशैली से महासभा को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उनके नेतृत्व में समाज की एकता, संगठन, सेवा और सम्मान को नई दिशा प्राप्त होगी तथा संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा। समाज के लोगों ने उनके सफल नेतृत्व और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए उन्हें राष्ट्रीय महासचिव बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

शिक्षा की गुणवत्ता और छात्र सुरक्षा पर डीएम सख्त, उत्कृष्ट विद्यालयों के प्रधानाध्यापक सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में निपुण भारत मिशन एवं जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति का आकलन करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता, छात्र सुरक्षा और विद्यालयों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान निपुण भारत मिशन, डीबीटी के तहत विद्यार्थियों को मिलने वाली 1200 रुपये की धनराशि, मध्याह्न भोजन (एमडीएम), विद्यालय कायाकल्प के 19 मानकों, दिव्यांग बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने बरसात के मौसम को देखते हुए विद्यालय परिसरों में विद्युत खंभों पर चेतावनी बोर्ड लगाने, छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, शत-प्रतिशत छात्र उपस्थिति बढ़ाने तथा प्रत्येक माह के चौथे शनिवार को आयोजित अभिभावक-शिक्षक बैठक में

निपुण भारत मिशन की समीक्षा

अधिकारियों की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में खेलकूद, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं नवाचार आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया।

मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं शत-प्रतिशत टीकाकरण को प्राथमिकता देने के साथ ही ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः विद्यालय से जोड़ने तथा विभिन्न कक्षाओं के ट्रांजिशन रेट में सुधार लाने के निर्देश दिए।

बैठक के अंत में शैक्षिक सत्र 2026-27 में सर्वाधिक नामांकन करने वाले कंपोजिट विद्यालय सटवां (मुंगराबादशाहपुर), कंपोजिट विद्यालय चेतरहाँ (सुईथाकला) और कंपोजिट विद्यालय राजापुर डडापुर (रामनगर) के प्रधानाध्यापकों को जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने सम्मानित किया।

बैठक में डायट के प्राचार्य, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सभी खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, एसआरजी तथा जिला टास्क फोर्स के सदस्य उपस्थित रहे।

डीएम और एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण, बंदियों से संवाद कर परखी व्यवस्थाएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह

ने शुक्रवार को जिला कारागार का निरीक्षण कर बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बंदियों से सीधे संवाद कर भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली और उनकी समस्याएं सुनीं।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया। भर्ती बंदियों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के साथ चिकित्सकों से उपचार व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बंदियों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा गंभीर रोगियों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

डीएम और एसपी ने कारागार परिसर की साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, रसोईघर, भोजन वितरण व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप बंदियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी गोल्डी गुप्ता सहित कारागार के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मत्स्य विभाग की योजनाओं के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 5 अगस्त तक करें ऑनलाइन आवेदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के इच्छुक लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य पालक विकास अभिकरण ने बताया कि विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 से बढ़ाकर 5 अगस्त 2026 कर दी गई है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इच्छुक लाभार्थी विभाग की वेबसाइट http://fisheries.up.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिन योजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं उनमें मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम स्थापना योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना शामिल हैं।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग आवेदन करना होगा। योजनाओं का विस्तृत विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है। पूर्व वर्षों में जिन आवेदकों के आवेदन निरस्त या प्रतीक्षारत रहे हैं, वे भी दोबारा आवेदन कर सकते हैं। योजनाओं से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य पालक विकास अभिकरण, द्वितीय तल, विकास भवन, जौनपुर स्थित कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क कर सकते हैं।

कांग्रेस ने बांटे 10 हजार पौधे, जौनपुर में 10 लाख पौधे लगाने का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण और हरित अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को शहर के बड़ी मस्जिद के पास कांग्रेस पार्टी द्वारा पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकताओं ने 10 हजार पौधों का निःशुल्क वितरण किया और लोगों को पौधों के संरक्षण का संकल्प दिलाया।

मुख्य अतिथि एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण धरती का सबसे पुनीत और महत्वपूर्ण कार्य है। प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने, स्वच्छ वातावरण और बेहतर मानसून के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पेड़ हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं और भीषण गर्मी से राहत दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने घोषणा की कि जौनपुर कांग्रेस पूरे जिले में 10 लाख पौधे लगवाने का अभियान

चलाएगी। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि वृक्ष ही प्रकृति के संतुलन और स्वस्थ जीवन का आधार हैं। प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता पं. बंशीधर शर्मा, सभासद शहनवाज मंजूर, अबुजर शेख, राजकुमार गुप्ता, इरशाद खान राजू, इस्तेखारूल प्रधान, जैद सिद्दीकी, अजीम जौनपुरी, साद सिद्दीकी, मसूद अहमद, परवेज उर्फ कल्लू, मुहम्मद ताहिर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

15.50 लाख रुपये का साइबर ठग गिरफ्तार

आजमगढ़। जनपद की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने 15.50 लाख रुपये की साइबर ठगी से जुड़े एक शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न राज्यों

से राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर कुल 13 शिकायतें दर्ज मिली हैं। पुलिस ने उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और 1,350 रुपये नकद बरामद किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत प्रतिबिंब पोर्टल से प्राप्त संदिग्ध मोबाइल नंबर की जांच की गई। सीडीआर और समन्वय पोर्टल के विश्लेषण में उक्त मोबाइल नंबर और उससे संबंधित आईएमईआई पर कुल 13 एनसीआरपी शिकायतें मिलीं, जिनमें लगभग 15.50 लाख रुपये की साइबर ठगी की पुष्टि हुई। जांच के दौरान मोबाइल नंबर के धारक की पहचान थाना तरवां क्षेत्र के सरायवृन्दावन गांव निवासी 44 वर्षीय पंकज सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने 30 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर उसे गांव स्थित ट्यूबवेल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर उसके खिलाफ थाना साइबर क्राइम में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 317(2), 318(4), 319(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पिछले चार-पांच वर्षों से साइबर ठगी में सक्रिय था। वह जस्ट डॉयल के माध्यम से निर्माण उपकरण संचालकों का नंबर हासिल कर खुद को एलएंडटी, नवी मुंबई का कर्मचारी बताता था और जेसीबी, बुलडोजर सहित अन्य मशीनों को काम दिलाने का झांसा देकर ठगी करता था। इसके अलावा फर्जी मनी क्रेडिट मैसेज भेजने, सॉफ्टवेयर बेचने के नाम पर धोखाधड़ी करने तथा ठगी की रकम विभिन्न जनसेवा केंद्रों के क्यूआर कोड के माध्यम से मंगवाकर नकद निकालने की बात भी स्वीकार की है।

मां के साथ दवा लेने जा रही किशोरी ने नदी में कूदकर दी जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित शाही पुल से दिन में मां के साथ ई रिक्शा से दवा लेने जा रही किशोरी ने नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर लिया है। घटना शुक्रवार दिन के लगभग तीन बजे की है।

गुलर घाट निवासी सैय्यद हसनैन की 17 वषीर्या पुत्री गुड़िया अपनी मां शर्मिला के साथ दवा लेने के लिए ई रिक्शा से जा रही थी। जब ई रिक्शा शाही पुल से गुजर रहा था उसी समय चानक गुड़िया ने ई रिक्शा रूकवा लिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक उसने गोमती नदी में नकाब पहने हुए छलांग लगा दिया। बेटी के गोमती में छलांग लगाने के बाद मां वहीं सिर पटक पटक विलाप करने लगी। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक गुड़िया की नदी में डूबकर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अनीता सिंह, चौकी प्रभारी सरायपोख्ता राहुल रंजन सहयोगी जवानों के साथ मौके पर पहुंच गये। पुलिस गोताखोरों के माध्यम से गुड़िया की लाश को खोजने में लग गई है। समाचार लिखे जाने तक लाश नहीं मिली हुई है।

राज्य कर्मचारियों के खेल के चयन परीक्षण की नवीन तिथि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी अशोक सोनकर ने अवगत कराया है कि महासचिव, उ0प्र0 सीविल सर्विसेज खिलाड़ी एसोसियशन, लखनऊ द्वारा विधान सभा/विधान परिषद सचिवालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के क्रम में अवगत कराया गया है कि विधान मण्डल का सत्र 03 अगस्त, 2026 से आहूत होने के कारण पूर्व निर्धारित तिथि पर सीविल सर्विसेज का जनपद, मण्डल व राज्य स्तरीय चयन परीक्षण किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है। अतः उपरोक्त के परिप्रेक्ष्य में खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ द्वारा जिला खेल कार्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में राज्य कर्मचारियों के कल्याणार्थ खेल के विकास तथा शारीरिक संवर्धन हेतु सरकारी कर्मचारियों की खेल की सुविधा के लिए राज्य कर्मचारी कल्याण निधि से जिला/मण्डल/राज्य स्तरीय चयन/ट्रायल्स का आयोजन कुल 19 खेलों में इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में 06 अगस्त, 2026 के स्थान पर 13 अगस्त, 2026 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से किया जायेगा। मण्डलीय चयन/ट्रायल्स 12 एवं 13 अगस्त, 2026 के स्थान पर 18 एवं 19 अगस्त, 2026 को वाराणसी में होगा तथा प्रदेश स्तरीय चयन/ट्रायल्स 18 एवं 19 अगस्त, 2026 के स्थान पर 24 एवं 25 अगस्त, 2026 को किया जायेगा, अन्य नियम एवं शर्ते यथावत रहेंगी।

दिव्यांगजनों के लिए विशेष रोजगार अभियान, आईटीआई सिद्दीकपुर में लगेगा रोजगार मेला

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार की ₹सबको हुनर, सबको काम₹ की मंशा को साकार करने के उद्देश्य से जनपद में 03 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक दिव्यांग रोजगार अभियान 3.0 का आयोजन किया जाएगा। जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन ने बताया कि यह विशेष रोजगार मेला राजकीय आईटीआई, सिद्दीकपुर में मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में आयोजित होगा। रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां दिव्यांग अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। वहीं, जिला उद्योग केंद्र, जिला सेवायोजन कार्यालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा अग्रणी बैंक (एलडीएम) के अधिकारी स्वरोजगार के इच्छुक दिव्यांगजनों को व्यवसाय संबंधी मार्गदर्शन एवं बैंक ऋण की सुविधा उपलब्ध कराएंगे। इस विशेष अभियान में जनपद का कोई भी प्रशिक्षित अथवा अप्रशिक्षित दिव्यांगजन भाग ले सकता है। प्रतिभाग करने के लिए किसी भी प्रकार की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। प्रशासन ने सभी दिव्यांग भाई-बहनों से अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में शामिल होकर इसका लाभ उठाने की अपील की है।

सावन के अंतिम सोमवार पर सजेगी बाबा बफार्नी की दिव्य झांकी, तैयारी को लेकर हुई बैठक

सुशील कुमार तिवारी

ओबरा, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर स्थित राम मंदिर प्रांगण में सावन के अंतिम सोमवार को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा बफार्नी की दिव्य एवं भव्य झांकी सजाने का निर्णय लिया गया। आयोजन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को राम मंदिर परिसर में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं शिव भक्तों ने भाग लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से आयोजन समिति का गठन करते हुए सतीश पाण्डेय को अध्यक्ष, अमित कुमार गुप्ता को महासचिव तथा आशीष तिवारी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी

सौंपी गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक रूप से निर्णय लिया कि सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर बाबा बफार्नी की झांकी का आयोजन पूरी श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां भी निर्धारित की गईं। बैठक में प्रमुख रूप से सतीश पाण्डेय, अमित गुप्ता, समीर माली, अभिषेक सेठ, कपूर चंद पाण्डेय, अनुज त्रिपाठी, सुशील कुशवाहा, सौरभ सिंह, कैलाश नाथ, आशीष तिवारी, रोहित सिंह, राज नारायण सिंह सहित बड़ी संख्या में शिव भक्त उपस्थित रहे।

मजलिस से लौट रही किशोरी ने शाही पुल से गोमती नदी में लगाई छलांग, तलाश जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित शाही पुल से शुक्रवार दोपहर एक 17 वर्षीय किशोरी ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से किशोरी की तलाश शुरू कराई गई।

जानकारी के अनुसार गूलर घाट मोहल्ला निवासी गुड़िया (17) पुत्री सैयद अपनी मां शनिला के साथ माधारे टोला में आयोजित मजलिस में शामिल होकर ई-रिक्शा से घर लौट रही थी। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब तीन बजे जब ई-रिक्शा शाही पुल पर पहुंचा, तभी अचानक किशोरी वाहन से उतर गई और गोमती नदी में छलांग लगा दी।

अचानक हुई घटना से ई-रिक्शा चालक और आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। नगर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोताखोरों को बुलाया और नदी में तलाश अभियान शुरू कराया। समाचार लिखे जाने तक किशोरी का कोई सुराग नहीं मिल सका था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

अघोर गुरु पीठ का 33वां स्थापना दिवस श्रद्धा व सेवा भाव के साथ मनाया गया, प्रभात फेरी और वृक्षारोपण का दिया संदेश

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। अघोर गुरु पीठ ब्रह्म निष्ठालय बनौरा, रायगढ़ (छत्तीसगढ़) का 33वां स्थापना दिवस शुक्रवार को क्रिया कुटी आश्रम, रेणुकुट में औघड़ संत बाबा प्रियदर्शी राम के निर्देशन में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

स्थापना दिवस की शुरूआत प्रभात फेरी से हुई। फूलों और मालाओं से सुसज्जित वाहन में परम पूज्य बाबा जी का चित्र रखकर श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए आश्रम परिसर से हिन्डाल्को कॉलोनी, ग्रासिम मोड़ होते हुए पुनः आश्रम पहुंचे। इसके बाद ध्वजारोहण, सफलयोनि पाठ, आरती, सामूहिक अघोर गुरु गीता पाठ, पूजन एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आश्रम परिसर में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। श्रद्धालुओं ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। आश्रम के व्यवस्थापक मंडल ने बताया कि आश्रम हमेशा राष्ट्र और समाज हित के कार्यों में सक्रिय रहता है। संस्था नशा उन्मूलन, दहेज प्रथा के विरोध और दहेज रहित विवाह जैसे सामाजिक अभियानों में सहयोग करती है। साथ ही अवधूत कृपा महिला हस्तशिल्प केंद्र एवं महिला मंडल के माध्यम से निर्धन महिलाओं और कन्याओं को हस्तकला एवं सिलाई का निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं ने घुघरी और हलुए का प्रसाद ग्रहण किया तथा परम पूज्य बाबा जी के आदर्शों पर चलकर समाज सेवा और मानव कल्याण के कार्यों में सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

टेक्स्ट मैसेज धोखाधड़ी के प्रति जागरूकता से डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा

पटना। एनपीसीआई टेक्स्ट मैसेज धोखाधड़ी के प्रति जागरूकता के माध्यम से डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा दे रहा है। डिजिटल भुगतान के बढ़ते उपयोग के साथ कई वित्तीय धोखाधड़ी की शुरुआत एक साधारण टेक्स्ट मैसेज से होती है, जिसे लोगों में जल्दबाजी, डर या जिज्ञासा पैदा करने के उद्देश्य से तैयार किया जाता है। टेक्स्ट मैसेज स्कैम के जरिए लोगों को फर्जी लिंक पर क्लिक करने, फर्जी कस्टमर केयर या हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने, अज्ञात ऐप या फाइल डाउनलोड करने, अपनी व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी जैसे ओटीपी, पिन या पासवर्ड साझा करने तथा पैसे ट्रांसफर करने के लिए प्रेरित किया जाता है। स्कैमर्स अक्सर खुद को बैंक, सरकारी एजेंसियों, डिलीवरी कंपनियों, टेलीकॉम प्रदाताओं या अन्य भरोसेमंद संस्थानों के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करते हैं। सुरक्षित रहने के लिए किसी भी संदेश पर कार्रवाई करने से पहले संबंधित संस्था की आधिकारिक वेबसाइट, ऐप या कस्टमर केयर के माध्यम से उसकी पुष्टि करें। ऐप केवल आधिकारिक ऐप स्टोर से डाउनलोड करें। अनजान लिंक पर क्लिक करना, अज्ञात ऐप डाउनलोड करना तथा ओटीपी, पिन या पासवर्ड साझा करने से बचें। पैसे जमा होने का संदेश मिलने पर अपने बैंक अकाउंट स्टेटमेंट की जांच कर पुष्टि करें। संदेशों को सुरक्षित रखें, स्क्रीनशॉट लें और सभी बातचीत का रिकॉर्ड रखें। संदिग्ध नंबरों की रिपोर्ट राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर डायल करके या दूरसंचार विभाग के संचार साथी पोर्टल के माध्यम से करें।

सुनी गई बात या समझी गई बात नागरिक सहभागिता पर नई बहस हुई तेज

सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजे गए एक नीतिगत सुझाव पर संबंधित विभाग से सामान्य नियमों वाला उत्तर मिलने के बाद सरकारी पत्राचार की संवेदनशीलता पर बहस छिड़ गई है। मामला अब किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस व्यापक प्रश्न का प्रतीक माना जा रहा है कि नागरिकों के सुझावों पर वास्तविक विचार होता है या केवल औपचारिक निस्तारण। बता दें, सरकारी दफ्तरों में नागरिकों द्वारा भेजे जाने वाले सुझावों, प्रतिवेदनों और जनहित प्रस्तावों पर किस स्तर तक गंभीरता से विचार किया जाता है, यह प्रश्न एक हालिया मामले के बाद फिर चर्चा में है। एक नागरिक द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजे गए राष्ट्रीय स्तर के नीतिगत सुझाव के उत्तर में संबंधित विभाग ने वर्तमान नियमों की सामान्य जानकारी भेज दी। इसके बाद यह बहस तेज हो गई है कि क्या कई बार विभाग मूल प्रस्ताव को समझने के बजाय उसे औपचारिक प्रक्रिया में निस्तारित कर देते हैं।

मामला पत्रकारों की राष्ट्रीय पहचान व्यवस्था से जुड़े सुझाव का था। प्रतिवेदन में देशभर के पत्रकारों की पहचान, सुरक्षा और संस्थागत समन्वय पर विचार करने का आग्रह किया गया था। उत्तर में वर्तमान मान्यता व्यवस्था का उल्लेख किया गया, जबकि मूल नीतिगत प्रस्ताव पर अलग से कोई टिप्पणी नहीं की गई। इस घटनाक्रम को कई लोग सरकारी पत्राचार में मौजूद उस प्रवृत्ति का उदाहरण मान रहे हैं, जिसमें नागरिक की मूल मंशा और विभागीय प्रतिक्रिया के बीच अंतर दिखाई देता है।

प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल शिकायत और जनसुनवाई प्रणालियों में बड़ी संख्या में आवेदन आने के कारण अनेक मामलों में मानक प्रारूप वाले उत्तर भेजे जाते हैं। किंतु जब कोई प्रस्तुति स्पष्ट रूप से नीति-सुझाव की श्रेणी में हो, तब उससे संबंधित विभागीय टिप्पणी भी उसी स्तर की अपेक्षित होती है। अन्यथा नागरिकों में यह धारणा बनती है कि उनकी बात सुनी तो गई, पर समझी नहीं गई।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक सुझाव केवल शिकायत नहीं होते; वे नीति निर्माण के लिए सामाजिक अनुभव का स्रोत भी होते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पत्रकारिता, शहरी विकास और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में अनेक सुधार नागरिकों और पेशेवर समुदायों के सुझावों से ही आगे बढ़े हैं। ऐसे में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सरकार तक पहुँचे विचारों का विषयानुकूल परीक्षण किया जाए।

मुंशी प्रेमचंद भाषा सारथी सम्मान 2026 से सम्मानित हुए रामकेश यादव 'सरस'

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई के वरिष्ठ साहित्यकार, गीतकार, कवि, पत्रकार एवं मुंबई महानगरपालिका से सेवानिवृत्त शिक्षक रामकेश एम. यादव 'सरस' को राजस्थान स्थित संगम अकादमी पब्लिकेशन द्वारा प्रतिष्ठित ₹मुंशी प्रेमचंद भाषा सारथी सम्मानझ2026₹ से सम्मानित किया गया है। यह उनके साहित्यिक जीवन का 441वाँ सम्मान है। यह सम्मान संगम अकादमी पब्लिकेशन के निदेशक ओम प्रकाश लाववंशी तथा सचिव अनिल कुमार द्वारा हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

श्री यादव अब तक 27 पुस्तकों का सृजन कर चुके हैं। कारगिल युद्ध (1999) के दौरान उन्होंने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत लेख, कविताएँ एवं गीत लिखकर देश के वीर जवानों का उत्साहवर्धन किया। उनकी नवीनतम कृति झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई काव्य₹ का लोकार्पण 19 अप्रैल 2026 को मुंबई में राजश्री प्रोडक्शन परिवार के सूरज बड़जात्या के बड़े सुपुत्र देवांश बड़जात्या के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। वर्ष 2019 में सेवानिवृत्ति के बाद भी वे हिंदी साहित्य की सतत सेवा में सक्रिय हैं। उनकी साहित्यिक उपलब्धियों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति व अभ्यासक्रम संशोधन मंडल, पुणे (बालभारती) द्वारा उनकी कविता चमके हम को कक्षा 3 की हिंदी पाठ्यपुस्तक में शामिल किया गया है। इससे पूर्व भी वर्ष 2005 से 2015-16 के विभिन्न शैक्षणिक सत्रों में उनकी दो रचनाएँ बालभारती तथा एक रचना सुगम भारती के पाठ्यक्रम में सम्मिलित की जा चुकी हैं।

बता दें कि श्री यादव मूलतः उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जनपद की मार्टिनगंज तहसील एवं विकासखंड अंतर्गत स्थित प्रतिष्ठित एवं सुशिक्षित ग्राम तेजपुर के निवासी हैं। उनकी इस उपलब्धि से उनके पैतृक क्षेत्र, साहित्य-जगत तथा शुभचिंतकों में हर्ष का वातावरण है। इस उपलब्धि पर तमाम साहित्यकारों, पत्रकारों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों तथा गणमान्य नागरिकों ने उन्हें मुंशी प्रेमचंद भाषा सारथी सम्मानझ2026 प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल, सृजनशील एवं दीर्घ साहित्यिक जीवन की कामना की है।

धान के खेत में खूनी संघर्ष के पांच आरोपी गिरफ्तार, कुल्हाड़ी-लाठी बरामद

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज पुलिस ने पुरानी रंजिश में धान के खेत पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक कुल्हाड़ी, एक लाठी और दो ईंट भी बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपितों को न्यायालय में पेश करने के बाद विधिक कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार, शाहगंज थाना क्षेत्र के समैसा गांव में गुरुवार को प्रवेश, उसकी मां पुष्पा और बहन महिमा अपने ट्यूबवेल पर धान की रोपाई के लिए पानी चलाने गए थे। आरोप है कि इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी पक्ष के लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसमें तीनों के सिर में गंभीर चोटें आईं।

घायलों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना के संबंध में छट्टू की तहरीर पर शाहगंज थाने में सात नामजद आरोपितों के विरुद्ध हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने शुक्रवार सुबह समैसा गांव से पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, लाठी और दो ईंट बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपितों में रामस्वारथ, उसका पुत्र धीरज गौतम, पत्नी विद्या देवी तथा पुत्रियां सीमा और पूतला उर्फ रिंका, सभी निवासी ग्राम समैसा, थाना शाहगंज शामिल हैं। पुलिस अन्य नामजद

गुरुतत्व की महिमा का महापर्व है गुरु पूर्णिमा : श्री प्रेमभूषण महाराज

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। गुरुतत्व के महात्म्य का महापर्व गुरु पूर्णिमा है। आषाढ़ और सावन का संधिकाल लोकसंस्कृति और आध्यात्मिकता के सुहावने संगम का प्रतीक यह पर्व है। गोस्वामी तुलसीदास जी रामचरित मानस के मंगलाचरण में लिखते हैं -

श्री गुरु चरण सरोज रज,
निज मन मुकुर सुधारि।

वे हनुमान जी की स्तुति कर प्रार्थना करते हैं -

कृपा करहु गुरुदेव की नाई
ऐसे गुरु की वंदना -
अखंड मण्डलाकारं
व्याप्तं येन चराचरं।
तत्तपदं दर्शितं येन
तस्मै श्री गुरुवे नमः।।

जो परमात्मा अखंड है और जड़ चेतन में समाया हुआ है, उसके दर्शन करवाने वाले श्रीगुरु के चरणों में बारंबार वंदन है।

जिस व्यक्ति की आत्मा से दूसरी आत्मा में शक्ति संचार हो, वह गुरु कहलाता है। इसके लिए देने वाले में शक्ति और लेने वाले में ग्रहण करने की योग्यता अपेक्षित है। गुरु पूर्णिमा हमें उन लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सुअवसर प्रदान करता है, जिन्होंने हमारे मन में ज्ञान की ज्योति जगाई है।

गो.तुलसीदास जी रामचरितमानस में गुरुमहिमा पर लिखते हैं-

गुरु बिनु भव निधि तरइ न कोई।
जौं बिरंचि संकर सम होई ।।

हमारे जीवन को यथोचित संबल तीन शक्तियों से प्राप्त होता है !यही त्रिदेव के रूप में ब्रह्मा,विष्णु एवम महेश हैं ! शास्त्र में गुरु को इन तीन रूपो में देखा गया है-

'गुरुर्ब्रह्मा गुरूर्विष्णु गुरुदेवी महेश्वरः!
गुरुःसाक्षात परब्रह्मः तस्मै श्री गुरुवे नमः!

भगवान शिव ने इसी दिन सप्तऋषियों को योग का ज्ञान दिया था।

व्यवहारिक जीवन मे माँ ब्रह्मा के रूप में हैं, जो जीवन का निर्माण एवम जीवन को विकसित होने के लिये आधार प्रदान करती है ! पिता विष्णु के रूप में है जो लालन -पालन करते है ! परंतु हमे संस्कृति,संस्कार,साधना एवम इस संसार सागर से पार जाने का मार्ग शिव रूपी गुरु कृपा से ही मिल पाता है !

-मान्यता है कि गुरुपूर्णिमा के दिन ही महाभारत के रचयिता महर्षि व्यास का जन्म हुआ था। इन्होंने 18 पुराणों की भी रचना की थी।इस वजह से गुरुपूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी माना जाता है।

यह गुरु की ही महिमा है कि वह अपने शिष्यों को महान बनाता है।

मानस के सिद्ध साधक, व्यवहार घाट के ओजस्वी वक्ता प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज कहते हैं कि गुरु वह है जो अपने शिष्य के लाभ का चिंतन ना करके उसके कल्याण का चिंतन करता है। भगवान श्रीराम के लिए गुरु वशिष्ठ, पांडवों के लिए गुरु द्रोण और चक्रवर्ती सम्राट चन्द्रगुप्त के लिएआचार्य चाणक्य जैसे गुरु ही उनकी समग्र सफलता के स्रोत थे।

आज के शैक्षिक परिवेश पर महान कवि-चिंतक सच्चिदानंद हीरानन्द वात्सायन अज्ञेयकहते हैं- शिक्षकों और विद्यार्थियों को सम्बोधित करने का एकाअधिकार उस राजनीतिक वर्ग का हो गया है, जिसका आज ज्ञानार्जन से कोई नाता नही है,जो केवल सफलता के फौरी नुस्खे बांटते हैं। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा- जब तक इस देश में शिक्षा दान का भार पुनः त्यागी लोगों को नहीं दिया जाता ,तब तक भारत को दूसरे देशों के तलवे चाटने होंगे। यह जानकारी मिडिया प्रभारी दिनेश सिंह ने दी है।

100 से ज्यादा डेयरी यूनिट की जांच में छह राज्यों में पशु कल्याण और जनस्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आईं

नई दिल्ली। सेंटिएंट वर्ल्ड ने आज भारत के अलग-अलग राज्यों में संचालित डेयरी इकाइयों पर अपनी तरह की पहली बहुराज्यीय जांच की रिपोर्ट जारी की। इस जांच में चंडीगढ़, पंजाब, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ की 100 से ज्यादा डेयरी यूनिट में पशु कल्याण, जनस्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी व्यापक चिंताओं को दर्ज किया गया है।

10 फरवरी से 15 अप्रैल 2026 के बीच हुई इस जांच में घरेलू स्तर की डेयरी, मध्यम आकार की इकाइयों और बड़े अनियमित डेयरी क्लस्टर तक का अध्ययन किया गया। जांच में सामने आया कि पशुओं के साथ खराब व्यवहार और डेयरी में अस्वच्छ तरीके कोई इक्का-दुक्का मामले नहीं हैं, बल्कि अलग-अलग जगहों पर बार-बार दिखाई देने वाला पैटर्न हैं। कई डेयरी यूनिट रिहायशी इलाकों या सार्वजनिक स्थानों के पास संचालित हो रही थीं। इनमें से कई घरों और जलस्त्रोतों से केवल 10 से 300 मीटर की दूरी पर थीं, जिससे जनस्वास्थ्य, पर्यावरण प्रदूषण और नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

जांचकर्ताओं ने अधिकांश डेयरी इकाइयों में जरूरत से ज्यादा पशु रखे जाने की स्थिति दर्ज की। कई जगह पशुओं को लंबे समय तक एक ही जगह बांधकर रखा जाता था। इनमें दोहरी और तिहरी रस्सी से बांधने के मामले भी मिले। कई मामलों में पशुओं को नाक या मुंह के जरिए बांधकर नियंत्रित किया जा रहा था। इन डेयरी इकाइयों में 10 से लेकर 500 तक पशु रखे गए थे, जबकि प्रति यूनिट औसतन करीब 50 पशु पाए गए। रिपोर्ट में पशु कल्याण से जुड़ी कई गंभीर खामियां दर्ज की गई हैं। इनमें कुपोषण, बिना इलाज के घाव, सूजे हुए जोड़, त्वचा संक्रमण और तनाव से जुड़े व्यवहार शामिल हैं। कई जगह बछड़ों को लंबे समय तक बांधकर रखा गया था और उनके लिए पर्याप्त छाया या आश्रय भी नहीं था। जांचकताओं ने दूध उतरवाने के लिए कई स्थानों पर 'खाल बच्चा' जैसी प्रथा का इस्तेमाल भी दर्ज किया। जांच के दौरान ऑक्सीटोसिन के इस्तेमाल के संकेत भी मिले। कई जगह इसकी बोतलें और सिरिंज दिखाई दीं, जबकि कुछ डेयरी संचालकों ने इसके उपयोग की बात भी स्वीकार की।

झुलसे मासूम के इलाज को लेकर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, डेढ़ घंटे तक रहा चक्काजाम

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूरनपुर गांव में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलसे बालक शिवम के उपचार को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। वाराणसी के अस्पताल में 16 दिनों तक इलाज के बाद चिकित्सकों द्वारा घर ले जाकर देखभाल करने की सलाह दिए जाने से नाराज परिजन बालक को लेकर मनियरा मोड़ स्थित विद्युत विभाग कार्यालय पहुंच गए।

कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर जुट गए और बेहतर इलाज की मांग को लेकर सड़क पर चक्काजाम कर दिया। जाम के कारण करीब डेढ़ घंटे तक आवागमन बाधित रहा।

ग्रामीणों का आरोप था कि विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण बालक हादसे का शिकार हुआ, लेकिन अब उसके समुचित उपचार की व्यवस्था भी नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने बालक के बेहतर इलाज के साथ आर्थिक सहायता की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और क्षेत्राधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से वार्ता कर उन्हें शांत कराया और बालक को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजने की व्यवस्था कराई।

इस दौरान विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने शिवम के इलाज के लिए पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया और परिजन बालक को लेकर जिला अस्पताल रवाना हुए। गौरतलब है कि बीते 15 जुलाई को पूरनपुर गांव में 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से शिवम गंभीर रूप से झुलस गया था। इसके बाद से उसका उपचार वाराणसी में चल रहा था। घटना के बाद उपचार और सहायता को लेकर उठे सवालों ने विद्युत सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर चर्चा तेज कर दी है।

इंदौर में लोगों ने ली 5 लाख से ज्यादा सेग्रीगेशन सेल्फी

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश की आर्थिक राजधानी और देश में स्वच्छता में अपना परचम फैलाने वाले इंदौर ने इस बार विश्व रिकॉर्ड बना लिया है। सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ अभियान के तहत सेग्रीगेशन सेल्फी का विश्व रिकॉर्ड इंदौर ने बना लिया है। आह्वान किया था। जिसके बाद लोगों ने कचरा डालते समय सेग्रीगेशन सेल्फी ली और निगम को भेजी। एमआईसी मेंबर व स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने बताया कि गुरुवार सुबह शुरू हुए इस सेग्रीगेशन सेल्फी का अच्छा प्रतिसाद मिला।

इंदौर की जनता से बढ़चढ़ कर इसमें हिस्सा लिया और शहर के 85 वार्डों से लोगों ने सेग्रीगेशन सेल्फी भेजी। नगर निगम ने 5 लाख का सेल्फी का लक्ष्य रखा था। दोपहर तक ही 4 लाख सेल्फी मिल गई थी। शाम होते-होते ये आंकड़ा 5 लाख के भी पार चला गया है। आज होगी वॉकथॉन स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने बताया कि 31 जुलाई, शुक्रवार को इंदौर में रअइइ वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ अभियान के तहत ये आयोजन किया जा रहा है। ये वॉकथॉन शुक्रवार सुबह 7 बजे आयोजित की गई है। रीजनल पार्क से चोईथराम चौराहा होते हुए वापस रीजनल पार्क तक ये वॉकथॉन होगी। इसमें भी बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।विश्व रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं और आज शाम को 5 बजे के लगभग राजबाड़े पर जश्न मनाएंगे। हमारे एसबीएम की पूरी टीम ने कमिश्नर- महापौर ने विचार किया है कि ये जो सेग्रिगेशन करते हैं, ये सिर्फ हमारे यहां होता है। तो क्यों ना इसको एक बार अपन रिकॉर्ड बनाएं। जिसके बाद ये सेल्फी का विचार आया और इसे मूर्त रूप दिया।

नेत्र जांच शिविर रहा बेहद सफल, 218 लोगों ने उठाया नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ

-लाल शेखर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सेंट अर्नोल्ड्स नाइट डिग्री कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) द्वारा ईशा नेत्रालय के सहयोग से आयोजित विशाल निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का गुरुवार, 30 जुलाई 2026 को सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस जनहितकारी पहल में कुल 218 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराकर निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कॉलेज के असेंबली हॉल में आयोजित इस शिविर में अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों एवं डॉक्टरों की टीम ने आधुनिक उपकरणों की सहायता से आंखों की जांच की तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस पहल को सफल बनाया। इस सफल आयोजन का श्रेय कॉलेज के प्राचार्य, ईशा नेत्रालय

के डॉक्टरों की समर्पित टीम, कॉलेज के सभी शिक्षकों, तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के स्वयंसेवकों को जाता है। सभी के उत्कृष्ट समन्वय, अनुशासन, सेवा-भाव और अथक परिश्रम के कारण शिविर का संचालन सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कॉलेज प्रशासन ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी डॉक्टरों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुँच सके। स्वस्थ आंखें, उज्ज्वल भविष्य के संदेश के साथ आयोजित इस शिविर ने समाज में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल का सफल उदाहरण प्रस्तुत किया।

CMO Reg. RMEE. 2341801
SHIFA HOSPITAL
अहमदी मेमोरियल
शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
डा0 मोहम्मद अकमल (फिजिशियन) पता- मानीकलां, जौनपुर
डॉ0 अबू फैसल MBBS, Ortho PGDS हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ समय 2 बजे से शाम 4 बजे तक (बृहस्पतिवार)
डॉ0 मोहम्मद चाँद बागवान MBBS, DNB, MD (Lucknow) शुगर, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेष समय- सुबह 8 बजे 11 बजे तक (मंगलवार)
डॉ0 यसीरा अली MBBS, MS (obs & Gynae Surgeon) स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ (Inferitility) समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक (मंगलवार)
डॉ. मोहम्मद अंज़र एम.बी.बी.एस. जरनल फिजिशियन
डॉ0 सुनील कुमार दुबे MBBS, MS (Laproscopic Surgeon) on call)
डॉ0 एम के वर्मा P.G D.C (Delhi) (चर्म रोग विशेषज्ञ) समय- 11 बजे 2 बजे तक (शनिवार)
डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह (दाँत चिकित्सक) समय - सुबह 9 से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)
डॉ0 सना अब्दुल्लाह (स्त्री रोग विशेषज्ञ) समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)
डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिक्स, बच्चेदानी, हाइड्रोसील का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।
पता - मानीकलां, जौनपुर | 9451610571, 7380850571

BAJAJ
ए. एम. बजाज
प्रो अब्दुल माजिद | मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139 | 9621032024, 9651316060, 9621139686

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र में 'ड्रग्स फ्री अभियान' और अधिक सशक्त : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। वरली स्थित एनएससीआई डोम में गुरुवार सुबह 11.30 बजे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों ड्रग्स फ्रीमुंबई' अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका की आयुक्त अश्विनी भिडे, मुंबई के पुलिस आयुक्त देवेन भारती, कोंकण विभागीय आयुक्त रूबल अग्रवाल, मुंबई शहर की जिलाधिकारी आंचल गोयल, मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी सौरभ कटियार सहित विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नशामुक्त भारत' का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र को मादक पदार्थों से मुक्त करना आवश्यक है। भारत युवाओं का देश है और देश को भीतर से कमजोर करने के लिए ड्रग्स का उपयोग किया जा रहा है। इसलिए ड्रग्स के पूरे इकोसिस्टम के विरुद्ध सभी को सामूहिक लड़ाई लड़ने की आवश्यकता है। यदि अपने आसपास मादक पदार्थों की बिक्री अथवा उससे संबंधित कोई भी अवैध गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा उपयोगी जानकारी देने वाले को पुरस्कृत भी किया जाएगा। नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान की उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष के रूप में कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा की नियुक्ति की गई है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'ड्रग्स फ्री मुंबई' अभियान शुरू करना आज के समय की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। भारत के शत्रु देश की युवा पीढ़ी को मादक पदार्थों की गिरफ्त में लाने

का षड्यंत्र रच रहे हैं। इसलिए इस नशे के संकट के विरुद्ध युवाओं को जागरूक रहकर एकजुट होकर संघर्ष करना आवश्यक है। मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में निरंतर जारी है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त विचारों के अनुरूप युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए जनजागरूकता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। मंगल प्रभात लोढ़ा ने आगे कहा कि केवल सरकार अथवा पुलिस व्यवस्था पर पूरी जिम्मेदारी छोड़कर नहीं चला जा सकता। समाज के प्रत्येक नागरिक, अभिभावक, शिक्षक तथा सामाजिक संस्थाओं को इस अभियान में अपना योगदान देना होगा। 'ड्रग्स फ्री मुंबई' केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अभियान में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से किया गया था। उन्होंने इसे सकारात्मक रूप से स्वीकार किया, इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि रोजगार योग्य युवाओं को उद्यमी बनाने का भी हमारा प्रयास है। इसी उद्देश्य से 15 अगस्त से 'सीएम महाफंड' योजना प्रारंभ की जाएगी, जिसके प्रथम चरण में एक लाख छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के आह्वान का सकारात्मक प्रतिसाद देते हुए कार्यक्रम में उपस्थित 10 हजार जेन-जी युवाओं ने ड्रग्स सेवन के विरुद्ध शपथ ली। वहीं ऑनलाइन माध्यम से 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भी नशामुक्ति की शपथ ग्रहण की।

जफराबाद विधानसभा से जियालाल प्रजापति आजाद समाज पार्टी के बने प्रभारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर प्रदेश में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने प्रत्याशियों की घोषणा करने और चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। इसी क्रम में आजाद समाज पार्टी (काशीराम) ने जौनपुर जिले की 371-जफराबाद विधानसभा सीट से जियालाल प्रजापति को अपना अधिकृत प्रभारी घोषित किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद 'रावण' द्वारा जारी प्रत्याशियों की सूची में जियालाल प्रजापति का नाम शामिल किया गया है। सूची जारी होने के बाद जफराबाद विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक चचाएं तेज हो गई हैं तथा पार्टी कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। बता दें कि जियालाल प्रजापति इससे पहले भी सक्रिय राजनीति में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। वह पूर्व में जौनपुर लोकसभा सीट से भी चुनाव लड़ चुके हैं। अब विधानसभा चुनाव के लिए उनकी उम्मीदवारी घोषित होने के बाद वह क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान और चुनावी तैयारियों में जुटेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए विभिन्न दलों द्वारा प्रत्याशियों की घोषणा का दौर लगातार जारी रहेगा, जिससे प्रदेश का चुनावी माहौल और अधिक गमार्ता नजर आ रहा है।

आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट प्लस: कम प्रीमियम में 10 साल का लाइफ कवर

ठाणे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल आईप्रोटेक्ट स्मार्ट अब 10 साल के लाइफ कवर विकल्प के साथ उपलब्ध है। यह प्लान उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है जिनके पास कुछ निश्चित वित्तीय जिम्मेदारियां हैं, जैसे आवास ऋण, बच्चों की पढ़ाई के लक्ष्य और व्यावसायिक ऋण। इससे ग्राहक अपने जीवन के उस दौर में कम प्रीमियम पर अधिक लाइफ कवर चुन सकते हैं जब उनकी वित्तीय जिम्मेदारियां सबसे अधिक होती हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के वितरण प्रमुख (चीफ ऑफ डिस्ट्रिब्यूशन), भरत गुंटी ने कहा, रविवीय सुरक्षा से जुड़ी ग्राहकों की उम्मीदें उनके जीवन के लक्ष्यों के साथ लगातार बदलती रहती हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ग्राहकों को उनकी वित्तीय यात्रा के अलग-अलग चरणों में अत्यावश्यक चीजों को सुरक्षित रखने में मदद करती है। आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट प्लस हमारे सुरक्षा पोर्टफोलियो में 10 साल की पॉलिसी अवधि जोड़कर ग्राहकों को प्राथमिकता देने

वाले इस दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। इसमें किफायत के साथ-साथ ऐसे फीचर शामिल हैं जो सही मायने में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करते हैं। आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट प्लस के जरिये, ग्राहकों को जानलेवा बीमारी का पता चलने पर 100% बीमा राशि (सम अश्योर्ड) मिलती है। इस प्लान में विशेष रूप से सुनिश्चित प्रीमियम के साथ 'क्रिटिकल इलनेस' (गंभीर बीमारी) सुरक्षा का विकल्प है, जो हर साल नहीं बढ़ता है। इस प्लान में 67,100 रुपये तक की निःशुल्क स्वस्थ्य एवं वेलनेस सेवा भी शामिल हैं, और ग्राहकों को 3 लाख रुपये तक का तुरंत दावा भुगतान भी मिलता है। गौरतलब है कि कंपनी का दावा निपटान अनुपात 99.3% रहा जो उद्योग में अग्रणी है। साथ ही, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान एक दिन की औसत दावा निपटान अवधि के साथ, हम ग्राहकों और उनके परिवारों की मदद के लिए उस वक्त हमेशा उपस्थित रहते हैं जब उन्हें हमारी सबसे अधिक जरूरत होती है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान, 1,306 करोड़ रुपये के मृत्यु से जुड़े दावे का निपटान किया और परिपक्वता तथा उत्तरजीविता (सर्वाइवल) लाभ के तौर पर 3,360 करोड़ रुपये का भुगतान किया। इससे पॉलिसीधारकों को समय पर वित्तीय सुरक्षा और मन की शांति प्रदान करने के प्रति आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ की प्रतिबद्धता रेखांकित होती है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2026 में, कंपनी ने 5,149 करोड़ रुपये के मृत्यु संबंधी दावे का निपटान किया और परिपक्वता तथा उत्तरजीविता लाभ के तौर पर 15,363 करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

होम क्रेडिट इंडिया ने वित्तीय परिपक्वता के तीन नियमों को रेखांकित किया

मुंबई। एक मशहूर कहावत है, जो जल्दी जागता है, वही बाजी मारता है (द अर्ली बर्ड कैचेस द वॉर्म) – और जीवन में जल्दी बचत शुरू करने वाले व्यक्ति से बेहतर इस कहावत को कोई साबित नहीं कर सकता। जल्दी बचत शुरू करने वाले लोग समझदारी भरे निवेश करके वित्तीय स्वतंत्रता की राह पर तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। यह बात खास तौर पर जेन-जी–यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों–पर लागू होती है। होम क्रेडिट इंडिया के प्रमुख अध्ययन 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025' के अनुसार, केवल 56% जेन-जी ही अपने मासिक खर्चों के बाद कोई महत्वपूर्ण बचत कर पाते हैं। डिजिटल रूप से जुड़ी इस दुनिया में, जहाँ सोशल मीडिया खरीदारी को प्रभावित करता है और एक टैप में यूपीआई भुगतान तुरंत पूरा कर देता है; जेन-जी ने सुविधा और आसानी के इस तरीके को पूरी तरह से अपना लिया है। लेकिन जब बात पैसे के प्रबंधन की आती है, तो इस पीढ़ी को पारंपरिक बचत आदतों से आगे बढ़कर अधिक समझदारी भरी वित्तीय योजना बनाने की जरूरत है। नीचे फाइनेंशियल एडल्टिंग की मानसिकता विकसित करने के नियम दिए गए हैं, जो जेन-जी को सही अवसर भुनाने वाली लंबी अवधि में संपत्ति बनाने, वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करने और एक तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था में अपने भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करेंगे। अपने खर्चों का आकलन करें: खर्चों पर नियंत्रण पाने का सबसे सरल तरीका उनकी निगरानी शुरू करना है। पैसों की कमाई और खर्च का हिसाब रखना यह समझने का एक बेहतरीन शुरुआती कदम है कि क्या किए गए कुछ खर्च सचमुच जरूरी हैं या नहीं। FOMO को निवेश की रणनीति में बदलें: FOMO के अर्थ को बदलकर बेहतरीन रिटर्न चूक जाने का डर समझकर कोई भी व्यक्ति अपने रुझान को खर्चों से हटाकर निवेश की ओर मोड़ सकता है। म्यूच्युअल फंड, एसआईपी या इंडेक्स फंड में किया गया हर छोटा निवेश मायने रखता है, क्योंकि समय के साथ ये मिलकर एक बड़ा रिटर्न दे सकते हैं। बेशक, रील या ट्रेंडिंग विषयों के बहकावे में न आकर, खुद की रिसर्च करके निवेश के विकल्पों का चुनाव सावधानी से करना जरूरी है। इमरजेंसी फंड बनाएं और अपने भविष्य को सुरक्षित करें: यह अनिश्चितता भरा दौर है और आपातकालीन कोष के रूप में कम से कम 3 से 6 महीने के खर्चों के बराबर राशि अलग रखना बेहद महत्वपूर्ण है।

वसई-विरार स्टैंडिंग कमेटी बैठक का विपक्ष ने किया बहिष्कार, प्रशासनिक कार्यकाल के प्रस्तावों पर भ्रष्टाचार के आरोप

वसई-विरार। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों ने प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान लिए गए निर्णयों पर गंभीर सवाल उठाते हुए बैठक का बहिष्कार कर वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि प्रशासनिक राज के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच किए बिना पुराने एवं विवादित प्रस्तावों को मंजूरी देने का प्रयास किया जा रहा है। स्टैंडिंग कमेटी सदस्य प्रज्ञा कमलाकर पाटिल ने प्रेस वार्ता में बताया कि बैठक के एजेंडा में कुल 41 विषय शामिल थे, जिनमें से लगभग 25 से 30 विषय ऐसे थे जिन्हें प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान मंजूरी मिल चुकी थी या उनके प्रस्ताव पहले ही पारित किए जा चुके थे। उन्होंने बताया कि 23 अप्रैल 2026 को हुई आम सभा में विपक्ष के नेता मनोज पाटिल द्वारा प्रस्ताव संख्या 17 प्रस्तुत किया गया था, जिसे सदन ने पारित किया था। इस प्रस्ताव में प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान हुए कार्यों का विशेष ऑडिट कराने, पूरे प्रशासनिक कामकाज की

जांच कराने तथा एक श्वेत पत्र (व्हाइट पेपर) जारी करने की मांग की गई थी। विपक्ष का कहना है कि प्रशासनिक कार्यकाल में विभिन्न विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आई हैं। ऐसे में निष्पक्ष जांच पूरी होने से पहले उन्हीं प्रस्तावों और टेंडरों को वर्तमान जनप्रतिनिधियों से मंजूर कराया जाना उचित नहीं है। उनका आरोप है कि कई कार्य पहले ही पूरे हो चुके हैं, लेकिन अब उन्हें कागजी प्रक्रिया के माध्यम से मंजूरी दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। विपक्षी सदस्यों ने स्पष्ट किया कि वे नागरिकों को बेहतर और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले जनहित के कार्यों का हमेशा समर्थन करेंगे, लेकिन प्रशासनिक कार्यकाल के कथित भ्रष्टाचार को छिपाने वाले प्रस्तावों का समर्थन नहीं करेंगे। उनका कहना है कि यदि ऐसे प्रस्तावों को मंजूरी दी जाती है, तो भविष्य में होने वाली किसी भी जांच में भी जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो सकते हैं। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पक्ष और प्रशासन उनकी आपत्तियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं तथा पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी विरोध में स्टैंडिंग कमेटी के सभी छह विपक्षी सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार करते हुए वॉकआउट किया।

श्रमजीवी संगठन के आंदोलन के बाद प्रशासन हरकत में

पालघर/ठाणे/नासिक। पालघर, ठाणे और नासिक जिलों की विभिन्न पंचायत समितियों में स्कूली विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार की नियमित आपूर्ति नहीं होने के विरोध में शुक्रवार को श्रमजीवी संगठन ने जोरदार आंदोलन किया। आंदोलन में सैकड़ों छात्र-छात्राएं हाथों में खाली थालियां लेकर सड़कों पर उतरे और ¤सरकार तुम्हारी है, हम भूखे रहते हैं! जैसे नारों के साथ अपना विरोध दर्ज कराया। छात्रों की बड़ी भागीदारी से आंदोलन ने व्यापक जनसमर्थन हासिल किया।

वाडा में आंदोलन का नेतृत्व श्रमजीवी संगठन की अध्यक्ष सीता घाटल ने किया। पालघर में जिला अध्यक्ष सुरेश रांगेड़, जव्हार में महासचिव विजय जाधव, अंबरनाथ में कार्यकारी अध्यक्ष बलराम भोईर तथा भिवंडी में ठाणे जिला अध्यक्ष अशोक साप्ते के नेतृत्व में प्रदर्शन आयोजित किए गए।

आंदोलन के बाद प्रशासन ने भी तत्काल संज्ञान लिया। पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे ने संबंधित आपूर्तिकर्ता को तुरंत पौष्टिक आहार की आपूर्ति शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि राज्य सरकार द्वारा आपूर्तिकर्ता के साथ अनुबंध में देरी होती है, तो आवश्यक भुगतान जिला परिषद के माध्यम से किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों के भोजन में किसी प्रकार की बाधा न आए। भिवंडी में प्रदर्शन के दौरान ठाणे के जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल का काफिला वहां से गुजर रहा था। छात्रों का प्रदर्शन देखकर उन्होंने अपना वाहन रोककर स्वयं विद्यार्थियों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद उन्होंने ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजनित यादव को आवश्यक अनाज की आपूर्ति तत्काल शुरू कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि अगले दिन तक आवश्यक आदेश जारी कर दिए जाएंगे और जिले में स्कूलों के लिए पोषण आहार की आपूर्ति फिर से नियमित कर दी जाएगी।

श्रमजीवी संगठन ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि जब तक सभी विद्यार्थियों को नियमित, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध नहीं कराया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन को सफल बनाने में शाहपुर के मालू हुमाने और प्रकाश खोडका, भिवंडी के तानाजी लहांगे, प्रदीप चौधरी, सागर देशमुख और विश्वनाथ पसारी, पालघर के

प्रेम उत्सव 2026: 22 भारतीय भाषाओं में एक मंच पर जीवंत होगा मुंशी प्रेमचंद का साहित्य

मुंबई। मुंशी प्रेमचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाला राष्ट्रीय बहुभाषी रंगमंच महोत्सव प्रेम उत्सव 2026 एक बार फिर भारतीय भाषाओं और रंगमंच की अद्भुत सांस्कृतिक एकता का साक्षी बनने जा रहा है। यह गौरव महाराष्ट्र, विशेषकर मुंबई को प्राप्त है, जहाँ पिछले दो वर्षों से आइडियल ड्रामा एंड एंटरटेनमेंट अकादमी भारत की 22 अनुसूचित भाषाओं में मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित नाटकों का मंचन एक ही मंच, एक ही निर्देशक और एक ही रंगमंचीय दल के माध्यम से कर रही है। विश्व रंगमंच के इतिहास में यह अपने आप में एक अनूठा और दुर्लभ प्रयोग है कि किसी एक साहित्यकार की कहानियों को एक ही संस्था द्वारा 22 भारतीय भाषाओं में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी और चुनौतीपूर्ण सांस्कृतिक अभियान का सफल निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी मुजीब खान कर रहे हैं। 31 जुलाई, मुंशी प्रेमचंद के जन्मदिवस पर, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के सहयोग से प्रातः 9:00 बजे से उनकी चार कालजयी कहानियों–'बड़े घर की बेटी', 'मोटर की छींटे', 'अपमान का भय'।

एचएमएसआई ने भारत में 10 मेड इन इंडिया मोटरसाइकिल और स्कूटरों का नया पोर्टफोलियो पेश किया

रांची। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने भारतीय बाजार के लिए 10 मोटरसाइकिलों और स्कूटर्स का नया पोर्टफोलियो पेश किया है। इस पोर्टफोलियो में सात नए मॉडल और तीन नए रंग विकल्पों के साथ अपडेट किए गए मॉडल शामिल हैं। नई रेंज में क्रूजर, एडवेंचर टूरर, रोडस्टर, लाइफस्टाइल राइडिंग, इलेक्ट्रिक और फ्लेक्स-फ्यूल मोबिलिटी से जुड़े उत्पाद शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, इन मॉडलों का भारत में स्थानीय स्तर पर निर्माण उसकी उत्पाद विकास, इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करेगा। साथ ही, ग्राहकों को होंडा की वैश्विक तकनीकों तक बेहतर पहुंच मिलेगी तथा स्थानीय सोर्सिंग और विनिर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा कि 10 उत्पादों का यह नया पोर्टफोलियो एडवांस इंटरनल कंबशन इंजन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक के माध्यम से ग्राहकों की विभिन्न जरूरतों के अनुरूप विकल्प उपलब्ध कराता है।

बोरीवली वार्ड 13 की विभिन्न समस्याओं और लंबित मामलों को लेकर गोपाल शेट्टी ने उप नगर आयुक्त संग की बैठक

मुंबई। बोरीवली वार्ड क्रमांक 13 से जुड़े विभिन्न जनहित के विषयों, विशेषकर Final Plot No. 7B, TPS-II, बोरीवली (पूर्व) तथा लंबे समय से लंबित कई नागरिक समस्याओं को लेकर आज उप नगर आयुक्त, कांदिवली के साथ पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने एक प्रतिनिधिमंडल सहित बैठक की। इस बैठक में प्रभावित नागरिकों की समस्याओं, महानगरपालिका द्वारा जारी नोटिसों, महाराष्ट्र प्रादेशिक एवं नगर नियोजन अधिनियम के प्रावधानों तथा महाराष्ट्र शासन की 29 अप्रैल 1998 की अधिसूचना (15)) के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जिन नागरिकों के पास वर्षों पुराने दस्तावेज एवं वैधानिक अधिकार हैं,

उनके मामलों का निष्पक्ष परीक्षण किया जाए तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पूर्णतः पालन किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की कठोर कार्रवाई से पूर्व सभी प्रभावित पक्षों को पर्याप्त सुनवाई का अवसर दिया जाए तथा सभी दस्तावेजों और कानूनी अधिकारों का समुचित परीक्षण किया जाए।

उप नगर आयुक्त ने सभी की बातें गंभीरता से सुनी और आश्वासन दिया है कि इस प्रकरण में विधिसम्मत एवं न्यायोचित प्रक्रिया का पालन करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक के उपरान्त जनसेवक गोपाल शेट्टी ने मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए कहा कि बोरीवली वार्ड क्रमांक 13 के प्रत्येक नागरिक के वैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा और प्रशासन के समक्ष जनता की आवाज मजबूती से उठाता रहूँगा।

मेडिकल जगत में भारत का ऐतिहासिक कीर्तिमान

मुंबई। भारतीय डॉक्टरों की विशेषज्ञता और स्वदेशी रोबोटिक तकनीक ने वैश्विक चिकित्सा क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। एसएस इनोवेशंस इंटरनेशनल के पूरी तरह 'मेड इन इंडिया' 'ररकटंल्ल३१' (एसएसआई मंत्रा) सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के माध्यम से कोलंबिया से लगभग 22,000 किलोमीटर दूर बैठे सर्जनों ने इंदौर में एक मरीज की सफल 'रोबोटिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी' सर्जरी को अंजाम दिया है। यह ऐतिहासिक टेलीसर्जरी कोलंबिया के हॉस्पिटल इंटरनैशनल डी कोलंबिया और इंदौर स्थित मोहक बैरियाट्रिक्स एंड रोबोटिक्स के बीच लगभग 22,000 किलोमीटर लंबे फाइबर नेटवर्क पर संपन्न हुई। इस सर्जरी का दूरस्थ संचालन कोलंबिया से एसएस इनोवेशंस इंटरनेशनल के संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने डॉ. विक्टर राउल कैस्टिलो मैन्टिला और डॉ. जोनाथन कासेरेस प्राडा के साथ मिलकर किया। वहीं, इंदौर में मरीज के पास मौजूद सर्जिकल टीम का नेतृत्व प्रसिद्ध बैरियाट्रिक सर्जन डॉ. मोहित भंडारी और डॉ. अभिषेक तिवारी ने किया। यह पूरी जटिल प्रक्रिया महज 275-285 मिलीसेकंड की नेटवर्क लेटेंसी (राउंड ट्रिप टाइम) पर सफलतापूर्वक पूरी हुई, जिसने वैश्विक स्तर पर SSI Mantra प्लेटफॉर्म की सटीकता, गतिशीलता और अटूट विश्वसनीयता को साबित किया है।

विकास और गुणवत्ता पर भारत का भविष्य: पीयूष गोयल

मुंबई। द एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया ने अपने प्रमुख वैचारिक मंच '22वें जे.आर.डी. टाटा मेमोरियल लेक्चर' का सफल आयोजन किया। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस वार्षिक कार्यक्रम में सरकार, उद्योग जगत, उद्यमिता और सार्वजनिक जीवन से जुड़ीं दिग्गज हस्तियों ने शिरकत की और जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा (जे.आर.डी. टाटा) की कालजयी विरासत को नमन करते हुए भारत के आर्थिक परिवर्तन के अगले चरण पर गहन मंथन किया। अपने मुख्य भाषण में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, भारत रत्न जे.आर.डी. टाटा देश के अग्रगण्य राष्ट्र निमार्ताओं में से एक हैं, जिनके दृष्टिकोण और मूल्यों ने भारत के औद्योगिक और आर्थिक परिदृश्य को आकार दिया। उन्होंने न केवल विमानन (एविएशन), प्रौद्योगिकी और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में ऐतिहासिक संस्थानों का निर्माण किया, बल्कि एक युवा राष्ट्र में आत्मविश्वास भी जगाया। भारत के विकास का अगला चरण नवाचार (इनोवेशन), गुणवत्ता, उद्यमिता और परफेक्शन (पूर्णता) की निरंतर खोज पर आधारित होना चाहिए, क्योंकि इसी

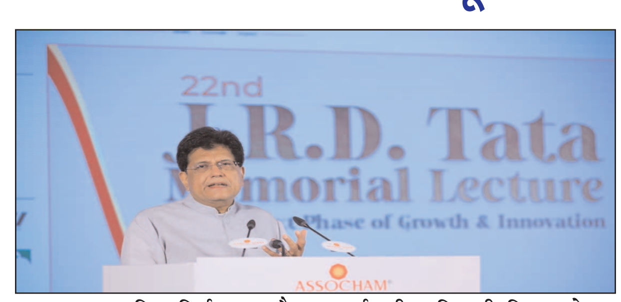

पर भारत का भविष्य निर्भर करता है। श्री गोयल ने आगे कहा कि पिछले दशक में हुए सुधारों के कारण भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना है। उन्होंने 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 'मेड इन इंडिया' को गुणवत्ता का वैश्विक ब्रांड बनाने, अनुसंधान एवं विकास व कौशलांकन में निवेश करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और स्पेस जैसी गहरी प्रौद्योगिकियों को अपनाने का आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के कई प्रतिष्ठित नेताओं की भी उपस्थिति रही, जिनमें एसोचैम के अध्यक्ष एवं यूएनओ मिंडा के चेयरमैन निर्मल कुमार मिंडा, एसोचैम के महासचिव सौरभ सान्याल, एसोचैम के पूर्व अध्यक्ष एवं रीन्यू के सीईओ सुमंत सिन्हा; तथा पेटीएम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय शेखर शर्मा शामिल थे। उनकी सहभागिता ने भारत की आर्थिक वृद्धि, नवाचार, उद्यमिता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पर हुई चचाओं को समृद्ध बनाया।

एसोचैम के अध्यक्ष और यूएनओ मिंडा के चेयरमैन निर्मल कुमार मिंडा ने कहा, अपने दृष्टिकोण, मूल्यों और अग्रणी भावना से श्री जे.आर.डी. टाटा ने एक ऐसे भारत की नींव रखी जो वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकता है। उनकी स्थायी विरासत हमें याद दिलाती है कि सच्चा नेतृत्व संस्थानों के निर्माण, प्रतिभा को निखारने और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने से आता है। जे.आर.डी. टाटा मेमोरियल लेक्चर इन आदर्शों का सम्मान करता है और उद्योग को भारत की विकास यात्रा में सार्थक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है।

सुगी ग्रुप ने ठाणे में 50 एकड़ से अधिक के वाटरफ्रंट डेवलपमेंट के साथ भव्य शुरूआत की

ठाणे। लिस्बन और यूनाइटेड अरब अमीरात में विस्तार कर रहे मुंबई बेस्ड ग्लोबल डेवलपर सुगी ग्रुप (Sugee Group) ने ठाणे में अपनी स्ट्रेटेजिक एंट्री करने के साथ अपनी शानदार विकास यात्रा में एक नए अहम अध्याय का संकेत दिया है। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क, दादर, माटुंगा, वर्ली और मुलुंड जैसी हाई-इम्पैक्ट लोकेशन पर अपने मजबूत एग्जीक्यूशन और प्रीमियम डेवलपमेंट के लिए जाना जाने वाला, सुगी ग्रुप का ठाणे में आना इस इलाके के सबसे डायनामिक और तेजी से परिपक्व हो रहे मार्केट में से एक में रणनीतिक विस्तार का हिस्सा है, जो ट्रेडिशनल सिटी हब से आगे बढ़कर भविष्य के लिये तैयार बिजनेस इकोसिस्टम को विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। अपने कमर्शियल डेब्यू के साथ, सुगी ग्रुप ठाणे वेस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट डेवलप करेगा, जिसे एक लैंडमार्क बिजनेस डेस्टिनेशन के तौर पर देखा जा रहा है। यह प्रीमियम वर्कस्पेस देगा और ठाणे को न्यू इंडिया के आर्थिक विकास के शहर के तौर पर आगे बढ़ाएगा Thane is N.I.C.E.™?

ग्रेड A+ कमर्शियल ऑफरिंग के तौर पर मौजूद, यह प्रोजेक्ट एक उभरते हुए बिजनेस डिस्ट्रिक्ट में प्रीमियम कमर्शियल स्पेस की बढ़ती डिमांड को पूरा करता है यानि नये भारत के उद्यमों के लिए एक ऐसा जबरदस्त वैल्यू प्रपोज़िशन, जो शहर और इसके औद्योगिक क्षेत्र के साथ आसान कनेक्टिविटी और बेहतर वर्कस्पेस देता है। यह उस एमएसएमई, एमएनसी और बढ़ते एंटरप्राइजेज के लिए एक जरूरी मार्केट गैप को भरता है जो प्रोफेशनल, अच्छी तरह से प्लान किए गए इंफ्रास्ट्रक्चर के अंदर आगे बढ़ना चाहते हैं लेकिन मुंबई के कमर्शियल रियल एस्टेट बाजार में प्रवेश की बड़ी बाधाओं से बंधे हुए हैं। यह रफ़्तार ठाणे के बदलते इंफ्रास्ट्रक्चर से मिल रही है: आने वाली मेट्रो लाइनें जिनमें महाराष्ट्र की पहली रिंग मेट्रो, ठाणे-बोरीवली ट्विन टनल, ठाणे कोस्टल रोड, प्लान किए गए वॉटरवे और पोर्ट, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) कॉरिडोर और एयरपोर्ट तक आसान पहुँच शामिल है -ये सभी बिजनेस और कंज्यूमर दोनों की मांग को बढ़ा रहे हैं। यह प्रेरणा लंदन में कैनरी व्हार्फ. और न्यूयॉर्क में हडसन याड्र्स जैसे दुनिया भर में जाने-माने बिजनेस डिस्ट्रिक्ट से ली गई है जहाँ इंटीग्रेटेड प्लानिंग, आसान कनेक्टिविटी और प्रीमियम इंफ्रास्ट्रक्चर मिलकर एक अच्छा इकोसिस्टम बनाते हैं। इस विजन को ठाणे वेस्ट में सिद्धेश्वर झील का साथ है, जो एक खास नेचुरल वॉटरबॉडी है। जिसके चारों ओर 50 एकड़ से अधिक की बड़ी विकास परियोजनाएं है। इसके चलते यह एक खास वॉटरफ्रंट डेस्टिनेशन बनाता है जो शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को आस-पास के क्षेत्र के साथ आसानी से मिलाता है। प्रोजेक्ट का आर्किटेक्चरल विजन पद्म भूषण से सम्मानित वास्तुकार हफीज कॉन्ट्रैक्टर के गाइडेंस में विकसित किया गया है, जो सुगी ग्रुप के एक लैंडमार्क कमर्शियल डेस्टिनेशन बनाने के कमिटमेंट को मजबूत करता है और डिजाइन एक्सीलेंस को लंबे समय के लिये अर्बन वैल्यू के साथ जोड़ता है। इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, सुगी ग्रुप के फाउंडर और मैनेजिंग पार्टनर निशांत देशमुख ने कहा, ठाणे एक मजबूत रेजिडेंशियल मार्केट के तौर पर उभरा है, और इसका कमर्शियल इकोसिस्टम अब विकास के एक रोमांचक नए फेज में जा रहा है। हमने कमर्शियल स्पेस के लिए एक नया मानक लाने का एक जबरदस्त मौका देखा, जो न सिर्फ. मौजूदा मांग को पूरा करेगा बल्कि रियल एस्टेट के जरिए शहरी विकास के अगले चरण के लिये उत्प्रेरक का काम करेगा। यह हमारे लिए सिर्फ.एक मार्केट एंट्री से कहीं ज्यादा है; यह ठाणे को न्यू इंडिया के इकोनॉमिक ग्रोथ के शहर के तौर पर आगे बढ़ाने का एक लॉन्ग-टर्म कमिटमेंट है Thane is N.I.C.E.™?